संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 72
पृष्ठ 8
शनिवार
30 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– ज्यादा साइकिल चलाने .....

विचार– सम्भलः शांति बहाल हो.....

खेल– गुलाबी गेंद से अभ्यास .....

चुनौती को अवसर में बदलने का माद्दा रखती है बीजेपी : योगी

- भाजपा दफ्तर में हुआ एनडीए गठबंधन के नवनिर्वाचित विधायकों का अभिनन्दन
- 2027 में प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ खिलेगा कमल

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी सके राज्य मुख्यालय पर आज विधानसभा उपचुनाव में विजयी एनडीए गठबंधन के 07 विधायक का अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने नवनिर्वाचित विधायकों का अभिनंदन किया। समारोह में भाजपा और सहयोगी दल रालोद के विजयी विधायकों को बधाई दी गई। मीरापुर से मिथिलेश पाल रालोद, कुंदरकी से भाजपा विधायक रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र दिलेर, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, कटेहरी से धर्मराज निषाद और मझवां से सुचिस्मिता मौर्य का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, आरएलडी के वरिष्ठ नेता व कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार सहित अन्य वरिष्ठ नेता व पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालन प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह चौहान ने किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपचुनाव में विजयी नवनिर्वाचित विधायकों के अभिनंदन समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों, पार्टी कार्यकर्ताओं, मंत्रियों और पदाधिकारियों को उपचुनाव के दौरान मिले दायित्वों को लेकर की गई कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीम भावना और एकजुटता से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उपचुनाव में बीजेपी को मिली प्रचंड जीत से विपक्षी दल भयभीत हो गये हैं। वो अब बस आरोप ही लगा सकते हैं। योगी आदित्यनाथ ने आश्वस्त किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा इससे भी बड़ी जीत हासिल करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन और नेतृत्व में एनडीए ने हरियाणा में हैट्रिक लगाई, महाराष्ट्र में भारी बहुमत हासिल किया और उत्तर प्रदेश उपचुनाव में 9 में 7 सीटों पर विजय प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने चुनाव से पहले ही सात सीटें जीतने की रणनीति बनाई थी, जिसे संगठन और कार्यकर्ताओं ने जमीन पर उतारकर सफल बनाया। योगी ने कुंदरकी और कटेहरी जैसी कठिन सीटों पर जीत को पार्टी की रणनीति और कार्यकर्ता व पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि जहां लोग जीत की संभावना पर सवाल उठाते थे, वहां बीजेपी ने न केवल जीत हासिल की बल्कि अपनी स्थिति और मजबूत की। कुंदरकी में 1.45 लाख वोटों से रिकॉर्ड तोड़ जीत इसका उदाहरण है।मुख्यमंत्री ने पार्टी की विचारधारा और कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पण पर जोर देते हुए कहा कि बीजेपी हर चुनौती को अवसर में बदलने का माद्दा रखती है। उन्होंने सातों विधानसभा में मिली जीत को कार्यकर्ताओं और नेताओं के मजबूत प्रयास का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए यह जीत विपक्ष के मन में भय उत्पन्न करेगी। हमें जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा और सघन जनसंपर्क के माध्यम से सरकार की योजनाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाना होगा। इससे 2027 में हमारी सफलता और बड़ी होगी। मुख्यमंत्री ने खैर विधानसभा से विजयी सुरेंद्र दिलेर के पिता पूर्व सांसद और पूर्व विधायक राजवीर सिंह दिलेर का विशेष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी हमेशा अपने कार्यकर्ताओं के परिवार के साथ खड़ी रहती है। योगी आदित्यनाथ ने नवनिर्वाचित विधायकों का आह्वान किया कि चूंकि अब उनके पास दो–ढाई साल का ही समय है, ऐसे में वह सभी अपने कार्यकाल में जनता से बेहतर संवाद स्थापित करें और संगठन के साथ मिलकर काम करें। हमें अपनी सफलता से प्रेरणा और असफलता से सबक लेकर आगे बढ़ना है। यदि हम इसी सामूहिक भावना से कार्य करते रहे, तो 2027 में प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलेगा।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने निर्वाचित विधायकों का स्वागत करते हुए कहा कि जनता जनार्दन ने भाजपा को खूब आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि कटेहरी एवं कुंदरकी में भाजपा ने लंबे समय बाद जीत हासिल की है। कार्यकर्ताओं का अथक परिश्रम एवं प्रदेश की सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का इस जीत में अहम योगदान है। विपक्ष अपनी पराजय सुनिश्चित मानकर नकारात्मक एजेंडे पर काम कर रहा है। लोगों को भड़काने और बहकाने का काम विपक्ष कर रहा है। भाजपा ने मोदी जी एवं योगी जी के नेतृत्व में सभी संकल्पों को पूरा किया है। हमें विपक्ष के झूठ और नकारात्मक राजनीति का मुंहतोड़ जवाब देना है, उनका पर्दाफाश करना है।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उपचुनाव की इस जीत ने 2027 का झंडा बुलंद कर दिया है। यह जीत भाजपा के विजय अभियान की शुरुआत है। उन्होंने पार्टी के प्रदेश नेतृत्व एवं कार्यकर्ताओं को जीत का श्रेय देते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के उत्साह और अनथक परिश्रम से एक बार फिर सपा को समाप्तवादी पार्टी बना देंगे। यह उपचुनाव फर्जी पीडीए की हार है। यह चुनाव समरसता की जीत है। हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र तक कमल ही कमल खिला है। प्रधानमंत्री के नारे एक हैं तो सेफ हैं, एक हैं तो जीत है का ही कमाल है। पूरे देश में भाजपा के समर्थन में लहर चल रही है। सपा की नींव हिल गई है, उसके पास अब कुछ बचा नहीं है। करहल और सीसामऊ में भी 2027 में भाजपा जीतेगी।

विपक्ष पर बरसे पीएम मोदी, कहा-

सत्ता के भूखे लोग जनता से सिर्फ झूठ बोलते आए हैं

भुवनेश्वर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से तीन दिनों के लिए ओडिशा के दौरे पर हैं। भुवनेश्वर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव, हरियाणा चुनाव और देशभर में हुए उपचुनाव के नतीजों ने पूरे देश में जो विश्वास भर दिया है, वो आपकी आंखों में मैं देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि पहले ओडिशा, फिर हरियाणा, और अब महाराष्ट्र! यही तो बीजेपी की विशेषता है। यही तो बीजेपी के कार्यकर्ताओं का सामर्थ्य है। मोदी ने कहा कि चुनाव से कुछ महीने पहले तक बड़े–बड़े पॉलिटिकल एक्सपर्ट ओडिशा में भाजपा को पूरी तरह से खारिज कर रहे थे। ये लोग कह रहे थे कि ओडिशा में भाजपा इतनी बड़ी ताकत बन ही नहीं सकती कि वो अपने बलबूते पर सरकार बना लें। लेकिन जब परिणाम आए, तो लोग हैरान हो गए। क्योंकि ओडिशा के लोगों के लिए भाजपा की केंद्र सरकार के कार्य और दिल्ली में बैठते हुए भी ओडिशा के लोगों के साथ अपनापन का जो नाता रहा, वो ओड़िशा के घर–घर पहुंच चुका था। नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजनीति में नीतिगत विरोध बहुत स्वाभाविक है। किसी भी निर्णय को लेकर अलग–अलग मत हो सकते हैं। राजनीतिक दल अपनी बात जनता के बीच पहुंचाने के आंदोलन भी करते रहते हैं। लोकतंत्र और संविधान की मर्यादा में रहकर अपने विचार भी प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से एक बहुत बड़ा बदलाव आप सब महसूस कर रहे होंगे। भारत के संविधान की भावनाओं को कुचल दिया जाता है, लोकतंत्र की सारी मान–मर्यादाओं को अस्वीकार किया जाता है। जो लोग सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं, उनके पास केंद्र की सत्ता पिछले 1 दशक से नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब पहले दिन से देश की जनता किसी और को आशीर्वाद दे, इसका गुस्सा उन्हें देश की जनता पर भी है। इस स्थिति ने उनके अंदर इतना गुस्सा भर दिया है कि वो देश के खिलाफ साजिश करने में जुटे हैं। ये लोग अपना गुस्सा जनता पर ही निकालने लगे हैं। उन्होंने कहा कि देश को गलत दिशा में ले जाने के लिए उन्होंने लोगों को गुमराह करना शुरू कर दिया है। उनकी झूठ और अफवाह की दुकान 50–60 साल से चल रही है। अब उन्होंने इस अभियान को और तेज कर दिया है। मोदी ने कहा कि ऐसे में जागृत नागरिकों के लिए, भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए, जो देश को प्यार करते हैं, जो संविधान का सम्मान करते हैं, उनके लिए ऐसे लोगों की हरकतें, इरादे और उनके कारनामे बहुत बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। इसलिए मैं सभी देशवासियों से कहना चाहूंगा कि हमें हर पल सतर्क रहना है और लोगों को जागरूक करते रहना है। हमें हर झूठ को बेनकाब करना है। उन्होंने कहा कि सत्ता के भूखे ये लोग जनता से सिर्फ झूठ बोलते आए हैं।

अजमेर शरीफ विवाद को लेकर महबूबा मुफ्ती के निशाने पर आए पूर्व CJI, कहा- देश की धर्मनिरपेक्ष नींव को हिलाया जा रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश के एक फैसले की कड़ी आलोचना की है और आरोप लगाया है कि इसमें देश को सांप्रदायिक आधार पर विभाजित करने की क्षमता है। मीडिया को संबोधित करते हुए, उन्होंने बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की और उन घटनाओं का हवाला दिया जो समुदायों के बीच और कलह पैदा कर सकती हैं। अजमेर शरीफ दरगाह के भीतर शिव मंदिर का दावा करने वाले एक मुकदमे पर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि निर्णय दिया गया कि जो भी स्थान संदिग्ध हो उसका सर्वे कराया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का 1991 का फैसला कहता है कि धार्मिक स्थल की 1947 वाली स्थिति को बदला नहीं जा सकता।

'डॉ0 अरुण मिश्रा के पिता पंडित राजकरण मिश्र अब नहीं रहे'

प्रयागराज । डॉ. अरुण कुमार मिश्र सहायक प्रोफेसर हिन्दी विभाग,मुनीश्वर दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ के पिताजी पंडित राजकरण मिश्र का निधन 24 नवंबर 2024 को दिन में 11रू40 पर हो गया तदुपरांत 25 नवंबर 2024 को 9:00 बजे रसूलाबाद घाट, प्रयागराजके गंगा तट पर उनका दाह संस्कार हुआ। आपका निवास स्थान गाँव अचकारी, पोस्ट कुशमौल, थाना सुजानगंज, जनपद जौनपुर हैं।डॉ. अरुण जी के पिता परम पूज्य श्री राजकरण मिश्र जी अत्यंत मृदुभाषी, सरल, सहृदयी, कर्मनिष्ठ, साधु प्रवृति के व्यक्ति थे। गाँव में उनकी पहचान नीरदृ क्षीर विवेक के कारण थी। मोह माया या सांसारिकता से विशेष लगाव नहीं था, उनके अंदर आध्यात्मिकता ज्यादा थी।वह प्रतिदिन रामचरितमानस का पाठ करते थे, उन्हें रामचरितमानस पूरा कंठस्थ था।गोस्वामी तुलसीदास के अनेक ग्रंथों यथा हनुमान चालीसा, हनुमान बाहुक, वैराग्य संदीपनी, कवितावली, गीतावली से उनका विशेष लगाया था। उनके निधन पर समाज के अनेक बुद्धिजीवी वर्ग व साहित्यिक वर्ग में शोक की लहर फैल गई। जौनपुर प्रतापगढ़ प्रयागराज में वे सभी लोगो ने जो उन्हें जानते थे,संवेदनाएं प्रकट की। चूंकि डॉ. अरुण कुमार मिश्र जी 'शहर समता'साप्ताहिक अखबार के साहित्यिक विशेषांक के उप संपादक हैं, इस कारण भी 'शहर समता' दैनिक और साप्ताहिक अखबार और शहर समता परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। 'शहर समता'के संपादक श्री उमेश चन्द्र श्रीवास्तव ने एक श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन कार्यालय पर किया।डॉ अरुण कुमार मिश्र जी चार भाई हैं। सबसे बड़े भाई कृष्णकांत मिश्र जी उनके बाद श्री प्रमोद कुमार मिश्र, श्री संतोष कुमार मिश्र और सबसे छोटे डॉ. अरुण कुमार मिश्र हैं। आप प्रयागराज में एलनगंज में रहते हैं।आप विगत कई वर्षों से प्रतापगढ़ के प्रतिष्ठित मुनीश्वर दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सहायक प्रोफेसर पद पर हैं। आपको अनेक साहित्यिक सम्मान पाने का गौरव मिला है तथा कई पुस्तकों के लेखक भी आप हैं। विगत 20 वर्षों से साहित्य साधना में लीन है। आपके पिताजी की छाया निरंतर आप पर रही, जिस कारण साहित्य में आपकी रुचि और बढ़ी।

महाकुंभ के अतिथियों को सबसे पहले मिलेंगे हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद्र, मोदी करेंगे अनावरण

प्रयागराज। महाकुंभ में ऋषि–मुनियों, देवी–देवताओं की प्रतिमाओं के बीच प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार खेल जगत के नक्षत्र के रूप में देदीप्यमान मेजर ध्यानचंद्र को भी प्रतिमा के जरिए जीवंत करने जा रही है। देश–दुनिया से आने वाले अतिथियों को संगमनगरी में सबसे पहले हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद्र के दर्शन होंगे। अपने जीवन काल में एक हजार से अधिक गोल दागने वाले ध्यानचंद्र की आदमकद प्रतिमा बृहस्पतिवार को ट्रिपलआईटी चौराहे पर लगा दी गई। ढंककर लगाई गई इस प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को करेंगे। मेजर ध्यान चंद्र की

आदमकद प्रतिमा इंदौर के मूर्तिकार महेंद्र कोंडवानी ने तैयार की है। कल्चर मार्बल से बनाई गई आठ फीट ऊंची प्रतिमा में मेजर ध्यानचंद्र हॉकी की जादुई स्टिक लिए नजर आएंगे। लोक निर्माण विभाग की ओर से इस प्रतिमा को बनाने का आर्डर प्रसिद्ध मूर्तिकार महेंद्र कोंडवानी को दिया गया था। कल्चर मार्बल से तैयार की गई है प्रतिमा दो महीने की मेहनत के बाद यह प्रतिमा तैयार हुई है। इससे पहले महेंद्र के हाथों तैयार महर्षि भरद्वाज की 31 फीट ऊंची प्रतिमा वर्ष 2019 के कुंभ में बालसन चौराहे पर लगाई गई थी। शहर के मुट्ठीगंज मुहल्ले में जन्मे मेजर ध्यानचंद्र की याद में महाकुंभ में किसी चौराहे पर लगाई जाने वाली यह पहली प्रतिमा है। देश के खेल इतिहास में मेजर ध्यानचंद का रुतबा कितना ऊंचा है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 29 अगस्त को उनकी जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाई जाती है। 29 अगस्त 1905 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में समेश्वर दत्त सिंह और श्रद्धा सिंह के पुत्र के रूप में उन्होंने जन्म लिया था। श्श्हॉकी के जादूगरश्श कहे जाने वाले ध्यानचंद ने 1928, 1932 और 1936 में भारत को तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बचपन में वह कुश्ती के दांव लगाते थे। महज 16 साल की उम्र में वह भारतीय सेना में शामिल हो गए। सेना में रहते हुए ही उन्होंने हॉकी खेलना सीखा। 13 मई 1926 में भारत के लिए अपना पहला मैच न्यूजीलैंड में खेला। वर्ष 1948 में मेजर ध्यानचंद्र ने हॉकी से संन्यास लेने की घोषणा की थी। वर्ष 2021 में नरेंद्र मोदी सरकार ने भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान का नाम राजीव गांधी खेल रत्न से बदलकर मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार कर दिया था।

फिल्म अभिनेता राजपाल यादव ने मेलाधिकारी से की मुलाकात, बोले- दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन है महाकुंभ

प्रयागराज। जाने माने हास्य अभिनेता राजपाल यादव ने शुक्रवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण कार्यालय पहुंचकर मेलाधिकारी विजय किरन आनंद से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयोजन है। इससे जुड़ना बहुत बड़े सौभाग्य की बात है। उन्होंने महाकुंभ में मेला प्रशासन के कार्यों की सराहना की। मीडिया से

बातचीत करते हुए राजपाल यादव ने कहा कि दद्दा शिष्य मंडल की ओर से संगम तट पर हर वर्ष माघ मेला, कुंभ और महाकुंभ में शिविर लगाया जाता है। यह पहला कुंभ है जब हमारे गुरुजी देव प्रभाकर शास्त्री दद्दा जी भौतिक रूप से मौजूद नहीं रहेंगे। निराकार रूप में वह हमारे आयोजन में विद्यमान रहेंगे। दद्दा जी के बड़े पुत्र अनिल के संचालन में महाकुंभ में दद्दा शिष्य मंडल की ओर से सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग की स्थापना करके पूजा आराधना की जाएगी। राजपाल ने कहा कि वह 2002 से संगम की धरती पर आ रहे हैं। दद्दा जी ने हमें संगमनगरी और कुंभ से जोड़ा है। हम सब शिष्य मिलकर हर वर्ष अनुष्ठान करते रहेंगे। कहा कि गंगा जी के तट पर जो जिस भाव से आता है वह उस भाव में पुण्य अर्जित करता है। चौबीस घंटे पूजन, यज्ञ और मंत्रों के उच्चारण से माहौल भक्तिमय रहता है और यहां कल्पवास करने वाले और आने वालों पर मां गंगा की विशेष कृपा रहती है। उन्होंने देश और दुनिया के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में महाकुंभ का हिस्सा बनने का आह्वान किया।

यूपीपीएससी और यूपीईएसएससी में अगले साल से भर्तियों की भरमार, कई भर्तियां कई सालों से हैं लंबित

प्रयागराज। साल भर भर्तियों का इंतजार करते रहे अभ्यर्थियों के लिए अच्छी खबर है। अगले साल भर्तियों की भरमार होगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) और उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग वर्ष 2025 में लंबित भर्तियां पूरी कराने के साथ ही नई भर्तियां भी शुरू करेंगे। यूपीपीएससी 22 दिसंबर को पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा कराने जा रहा है। इसके तहत 220 पदों पर भर्ती होनी है। अगले साल जब तक यह भर्ती पूरी होगी, उससे पहले आयोग वर्ष 2025 की पीसीएस परीक्षा का विज्ञापन जारी कर देगा। ऐसे में अगले साल दो पीसीएस भर्तियां पूरी होंगी। वहीं, पेपर लीक के कारण स्थगित की गई समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 भी अगले साल महाकुंभ के बाद होगी। इस परीक्षा के तहत आरओध्एआरओ के 411 पदों पर भर्ती होनी है। वहीं, आयोग दिसंबर के पहले सप्ताह में सहायक अभियंता के 550 पदों पर भर्ती के लिए सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा परीक्षा–2024 का विज्ञापन जारी करने जा रहा है, जिसके लिए

परीक्षा अगले साल आयोजित की जाएगी। एलटी ग्रेड शिक्षक के भी तकरीबन सात हजार पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो चुका है, जिसका विज्ञापन अगले साल की शुरुआत में आने की उम्मीद है। वहीं, राजकीय इंटर कॉलेज में प्रवक्ता के तकरीबन डेढ़ हजार पदों और राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के लगभग चार सौ पदों पर भी भर्ती की तैयारी की जा रही है। यूपीपीएससी अगले साल इन दोनों भर्तियों के लिए भी विज्ञापन जारी करेगा। साथ ही राज्य कृषि सेवा के 268 पदों पर चली रही भर्ती प्रक्रिया भी वर्ष 2025 में पूरी कर ली जाएगी। इन पदों के लिए प्रारंभिक परीक्षा हो चुकी है और जल्द ही मुख्य परीक्षा होने जा रही है। इसके अलावा आयोग को खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के भी तकरीबन 200 पदों का अधियाचन प्राप्त हो चुका है। इन पदों पर भर्ती के लिए अगले साल विज्ञापन जारी किया जाएगा। अगले साल पीसीएस जे की नई भर्ती का विज्ञापन जारी होने की भी उम्मीद है। वहीं, आयोग कई सीधी भर्तियां भी शुरू करने जा रहा है।

पीड़िता ने पुलिस आयुक्त से लगाई न्याय की गुहार

प्रयागराज , कौंधियारा।कौंधियारा क्षेत्र के एक गांव की एक महिला ने पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस आयुक्त प्रयागराज को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। आरोप है कि उसके पति ने एक अन्य महिला से अवैध संबंध रखे हैं जिसके चलते उसे मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि उसके पति करछना थाना क्षेत्र के एक गांव की विवाहित महिला को लेकर भागकर दूसरी शादी कर ली। महिला पति के कार्यस्थल दिल्ली पहुंची तो पता चला कि वह दस दिन की छुट्टी पर है। कहा कि अब पति का भाई पीड़ित महिला को आशनाई की नियत से परेशान कर रहा है।

सेल्समैन का शव लेकर थाने के सामने बैठे ग्रामीण, हत्या का मुकदमा दर्ज करने पर अड़े

प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव निवासी सेल्समैन राधेश्याम पुष्पाकर की मौत पर ग्रामीणों का गुस्सा फूट गया है। शुक्रवार को परिजनों के साथ पहुंचने बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सोरांव थाने के सामने राधेश्याम का शव थाने के सामने रखकर सड़क पर बैठ गए। इसके कारण सड़क पर आवागमन अवरुद्ध हो गया। ग्रामीण हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग पर अड़े हैं। बाइक से घर लौट रहे इस्माइलपुर गांव निवासी सेल्समैन राधेश्याम पुष्पकर (52) का शव बुधवार देर रात सोरांव के निकट से गुजरे प्रयागराज–प्रतापगढ़ हाईवे पर मिला था। राधेश्याम फाफामऊ थाना क्षेत्र के मलाक हरहर स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान पर सेल्समैन था। राधेश्याम बुधवार रात करीब 10 बजे घर लौट रहा था। मौके पर बाइक और मोबाइल नहीं मिलने पर परिजनों को हत्या की आशंका जताई है। मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। घटनास्थल से ढाई किमी दूर शिवगढ़ स्थित गेस्ट हाउस के पार्किंग में बृहस्पतिवार को राधेश्याम की बाइक मिली, लेकिन उसके मोबाइल फोन का सुराग नहीं लग सका। गेस्ट हाउस में लगे सीसीटीवी फुटेज में चार लोग मृतक की बाइक को छोड़कर दूसरी बाइक से सोरांव की तरफ भागते हुए दिख रहे हैं।

खाक चौक पर भूमि को लेकर साधु संतों ने मेला प्राधिकरण कार्यालय पर किया प्रदर्शन, मनमानी का आरोप

प्रयागराज।खाक चौक व्यवस्था समिति के साधु संतों ने शुक्रवार को मेला प्राधिकरण कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। संतोष दास सतुआ बाबा समेत बड़ी संख्या में संत सुबह ही सैकड़ों साधु और संन्यासियों के साथ दारागंज स्थित मेला प्राधिकरण कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। आरोप लगाया कि मेला प्रशासन खाक चौक की भूमि को दूसरों क आवंटित कर रहा है। इसी तरह महामंडलेश्वर स्वामी रामतीर्थ दास ने भी मेला प्रशासन पर भूमि आवंटन में गड़बड़ी का

आरोप लगाया। उनका कहना है कि 1965 से पूर्व खाक चौक के संतों को जमीन आवंटन संगम के पास हो रहा था, लेकिन 2019 के कुंभ से मेला प्रशासन जमीन आवंटन में गड़बड़ी कर रहा है। उन्होंने बताया कि मेला प्रशासन के अफसरों ने खाक चौक के संतों को देश के कोने–कोने से जमीन आवंटन के लिए बुला लिया है, लेकिन जमीन आवंटन में गड़बड़ी की जा रही है। इससे संतों में आक्रोश है। महामंडलेश्वर स्वामी राम तीर्थ दास का कहना है कि 65 वर्ष से कुंभ मेला और अर्द्ध कुंभ मेला में आ रहा हूं, लेकिन जमीन आवंटन के दौरान सबसे ज्यादा गड़बड़ी और लापरवाही मेला प्रशासन के अफसर कर रहे हैं। खाक चौक के संतों को महाकुंभ में शिविर लगाने के लिए एक साथ जमीन मेला प्रशासन आवंटित करें,ताकि संत समय से शिविर लगा सके। उन्होंने कहा कि भीषण ठंड में संत खुले आसमान के नीचे पड़े हैं, लेकिन मेला प्रशासन के अफसर मामले को लेकर गंभीर नहीं हैं।

आनंद अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर के शिविर का भूमि पूजन

प्रयागराज। मेला क्षेत्र में शुक्रवार को आनंद अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरि के शिविर का भूमि पूजन हुआ। पूजन के दौरान महाकुंभ के सकुशल होने की कामना की गई। इसके पूर्व संतों ने सनातन बोर्ड के गठन की मांग को लेकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पूरी को पत्र सौंपा। पत्र में सनातन बोर्ड गठन की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। सनातन बोर्ड में सभी अखाड़ा के पदाधिकारी रहे। आनंद पीठाधीश्वर ने सहमति पत्र भी अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को सौंपा। इस दौरान महामंडलेश्वर स्वामी महेशानंद गिरि, महामंडलेश्वर प्रेमानंद पुरी, महामंडलेश्वर स्वामी मां आनंदमयी, मुखिया महंत बड़ा उदासीन अखाड़ा दुर्गादास आदि मौजूद रहे।

अधिवक्ता अखिलेश शुक्ला हत्याकांड : फरार ब्लॉक प्रमुख समेत दो पर इनाम, वारंट भी जारी

प्रयागराज। सलोरी में अधिवक्ता अखिलेश शुक्ला उर्फ गुड्डू की हत्या के मामले में फरार चले रहे ब्लॉक प्रमुख अतुल कुमार सिंह समेत दो पर पांच हजार का इनाम घोषित कर दिया गया है। दूसरा आरोपी उसका ड्राइवर है जिसके बारे में दावा किया

जा रहा है कि वह घटनास्थल पर मौजूद था। दोनों के खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी हो गया है। आरोपी अतुल प्रताप सिंह बलिया के गड़वार ब्लॉक का प्रमुख है। वह फरीदपुर पचखोरा थाना सुखपुरा जनपद बलिया का मूल निवासी है। पुलिस ने बसंतपुर, बलिया निवासी आरोपी दुर्गेश कुमार सिंह को गिरफ्तार किया है। एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि घटना वाली रात दुर्गेश अन्य आरोपियों के साथ मौके पर था। मामले में तीन आरोपी निखिल सिंह, प्रिंस सिंह व मनोज सिंह पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं। मामले में निखिल नामजद था जबकि चार अज्ञात आरोपी बनाए गए थे। पुलिस ने चौथे अज्ञात आरोपी को भी चिह्नित कर लिया है। वह छात्रनेता भी रह चुका है और मौजूदा समय में ठेकेदारी करता है। गौरतलब है कि एक दिन पहले पुलिस ने दुर्गेश व ठेकेदार की तलाश में बलिया में दबिश दी थी। पुलिस की तीन टीमों ने आरोपियों के अलग–अलग ठिकानों पर दबिश दी थी। डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी भी घटना में शामिल था। एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है।

महिला ने धारदार हथियार से वार कर की पति की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के चमनगंज मोहल्ले में बीती रात पत्नी ने धारदार हथियार से वार कर पति की हत्या कर दी। महिला ने बहुत ही बेरहमी के साथ पति की हत्या की। उसके ऊपर तब तक वार किया जब तक उसके प्राण नहीं निकल गए। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना को लेकर प्रेम प्रसंग का मामला सामने आ रहा है। कपूरीपुर बढ़ैया गांव निवासी राम उजागिर (43) पुत्र राम सूरत की पत्नी सीमा देवी अपने दो बच्चों के साथ कोरांव बाजार के चमनगंज मोहल्ले में रहती थी। यह उसका स्वयं का मकान था। यहीं रहकर वह बच्चों को पढ़ाती थी। बृहस्पतिवार की शाम को उसने फोन कर अपने पति को कमरे पर आने के लिए कहा। आरोप है कि पति जैसे ही कमरे पर पहुंचा कि पहले से ही घात लगाकर बैठी पत्नी ने उसके ऊपर धारदार हथियार से वार करना शुरू कर दिया। घटना के चलते बच्चे दहशत में आ गए और वह कूलर के पीछे छिप गए।

शोर गुल सुनकर आसपास के लोग पहुंच गए और घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शुक्रवार की सुबह आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

प्रयागराज पुलिस आयुक्त 20 दिसंबर को कोर्ट में बताएं, दोषी पुलिसकर्मियों पर क्या कार्रवाई की

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पीड़ित की तहरीर पर एफआईआर में देरी पर प्रयागराज के पुलिस आयुक्त तरुण गाबा व पुलिस उपायुक्त यमुनानगर को तलब किया है। कहा है कि 10 दिसंबर को अदालत में उपस्थित होकर बताएं दोषी पुलिसकर्मियों पर क्या कार्रवाई की। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय की अदालत ने बलराम यादव की अवमानना अर्जी पर दिया है। बलराम यादव ने अवमानना अर्जी दाखिल कर आरोप लगाया था कि 25 सितंबर 2024 को विधान सभा सदस्य के प्रतिनिधि अर्पित जायसवाल ने उनके पिता पर हमला किया था। इसके चलते पिता की मौत हो गई। वहीं, शिकायत के बाद भी घूरपुर थाना प्रभारी ने राजनीतिक दबाव के चलते मुकदमा दर्ज नहीं किया। याची के वकील रज्जन सिंह यादव ने दलील दी कि इस न्यायालय के पूर्व में जारी किए गए निर्देशों के तहत एफआईआर न दर्ज करना अवमानना है। 25 नवंबर को सुनवाई में न्यायालय के आदेश के अनुपालन में स्थायी वकील ने बताया कि 25 नवंबर को एफआईआर दर्ज कर ली गई है। न्यायालय ने एफआईआर दर्ज करने में देरी को गंभीरता से लेते हुए पुलिस आयुक्त, पुलिस उपायुक्त व थाना प्रभारी घूरपुर को तलब कर एफआईआर दर्ज करने में हुई देरी का कारण पूछा। बृहस्पतिवार को न्यायालय में पुलिस कमिश्नर व अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित हुए। हलफनामा देकर बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई। इस पर न्यायालय ने कहा कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है। जवाब के लिए एक हफ्ते की मोहलत मांगने पर न्यायालय ने 10 दिसंबर की तारीख तय कर दी।

घरेलू हिंसा की कार्यवाही के खिलाफ कोर्ट कर सकता है अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि घरेलू हिंसा की कार्यवाही के खिलाफ हाईकोर्ट अपनी अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग कर सकता है। घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत किसी कार्यवाही को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत चुनौती दी जा सकती है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की अदालत ने बुलंदशहर के देवेंद्र अग्रवाल व इसके साथ छह अन्य याचिकाओं की एक साथ सुनवाई करते हुए की है। अलीगढ़ के पंकज गर्ग, बरेली की नेहा गोयल, बरेली की शिल्पी शर्मा, आजमगढ़ के अरविंद गुप्ता, मुजफ्फरनगर के अनिल, बलिया की पूजा राय ने घरेलू हिंसा से जुड़ी कार्यवाही को लेकर याचिका दाखिल की है। इन सभी याचिकाओं में सुमन मिश्रा के मामले में निर्धारित विधि व्यवस्था के मुताबिक, याचिका की पोषणीयता को लेकर उठे प्रश्नों पर विचार किया गया। कोर्ट ने सभी याचिकाओं को पोषणीय माना। कहा कि आपराधिक प्रक्रिया की शुद्धता और पीड़ितों के संरक्षण के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। याची की अधिवक्ता प्रीति सिंह ने दलील दी कि सुमन मिश्रा का निर्णय सुप्रीम कोर्ट के कामाची के मामले पर आधारित था, जो घरेलू हिंसा की कार्यवाही को धारा 482 के तहत चुनौती देने पर नहीं, बल्कि समय–सीमा की प्रासंगिकता से जुड़ा था। सतीश चंद्र आहूजा के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि घरेलू हिंसा अधिनियम की कार्यवाही दंड प्रकिया संहिता के तहत भरण–पोषण जैसा ही मामला है। लिहाजा, घरेलू हिंसा के खिलाफ हाईकोर्ट धारा 482 के तहत अपनी अंतर्निहित शक्ति का प्रयोग कर सकता है। कोर्ट सभी मामलों को धारा 482 के अंतर्गत पोषणीय मानते हुए निस्तारित करने की संस्तुति की दी। कहा कि न्यायिक प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोकने और न्याय की सुरक्षा के लिए धारा 482 के तहत याचिकाएं स्वीकार्य है। बाराबंकी की सुमन मिश्रा ने घरेलू हिंसा संबंधी मामले में बाराबंकी के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश (वर्ष 2012) और बाराबंकी के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीशधविशेष न्यायाधीश (ईसी अधिनियम) आदेश (2013) को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सुमन की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी गई है कि मद्रास हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ ने अरुल डेनियल और सुप्रीम कोर्ट के कामाची मामले के मुताबिक, घरेलू हिंसा अधिनियम की धारा 12 के तहत कार्यवाही को रद्द करने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत कार्यवाही स्वीकार्य नहीं है।

अब अयोध्या की तर्ज पर बनेगा डिजिटल कुम्भ म्यूजियम

प्रयागराज। संगम किनारे अब अयोध्या की तर्ज पर डिजिटल कुम्भ म्यूजियम बनाया जाएगा। डिजिटल कुम्भ म्यूजियम का निर्माण ट्रिपलपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर होगा। म्यूजियम का निर्माण करने वाली एजेंसी इसका रखरखाव और संचालन करेगी। महाकुम्भ के बाद म्यूजियम का निर्माण शुरू होगा। अरैल में स्थाई डिजिटल कुम्भ म्यूजियम बनाने के लिए जमीन चिह्नित की गई थी। उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड को इसके निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई। महाकुम्भ के पहले यूपीपीसीएल ने ढांचा तैयार करने से मना कर दिया तो महापर्व के दौरान अस्थाई म्यूजियम बनाने का निर्णय लिया गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को महकुम्भ के कामों को देखने प्रयागराज आए। मुख्यमंत्री और अधिकारियों की बैठक में महाकुम्भ बाद ट्रिपलपी मॉडल पर म्यूजियम बनाने का निर्णय लिया गया। अयोध्या में ट्रिपलपी मॉडल पर टाटा एंड संस ने म्यूजियम बनाया है। अयोध्या की तरह डिजिटल कुम्भ म्यूजियम बनाने का निर्णय होने के बाद अब एजेंसी की तलाश होगी, जो इसका निर्माण और संचालन कर सके। यूपीपीसीएल के प्रबंध निदेशक एसके सिंह ने बताया कि कुम्भ डिजिटल म्यूजियम निर्माण की योजना में बदलाव हुआ है। अब यूपीपीसीएल इसका निर्माण नहीं करेगा।

प्रयागराज को शीघ्र मिलेगा अंतरराष्ट्रीय स्तर का शूटिंग रेंज

प्रयागराज। प्रयागराज में शीघ्र ही अंतरराष्ट्रीय स्तर का शूटिंग रेंज शुरू होगा। छावनी क्षेत्र के कैंट हाईस्कूल में शूटिंग रेंज का 95 फीसदी काम हो चुका है। शूटिंग रेंज में प्रशिक्षण लेने वालों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा मिलेगी। छावनी परिषद शूटिंग रेंज का निर्माण करा रहा है। 22 लाख की लागत से बन रहे रेंज में 10 मीटर पिस्टल और राइफल से शूटिंग का अभ्यास किया जा सकेगा। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता भी हो सकेगी। इस रेंज में खास बात यह है कि शूटिंग के दौरान ईयर मफ लगाने की आवश्कता नहीं होगी। छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी मोहम्मद समीर इस्लाम ने बताया कि शूटिंग रेंज में सुविधा नई दिल्ली के करनी सिंह शूटिंग रेंज की तरह होगी। प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का शूटर या कम से कम राष्ट्रीय स्तर का पदक विजेता प्रशिक्षक रखा जाएगा। मुख्य अधिशासी अधिकारी के अनुसार देश में शूटिंग के प्रति बच्चे और युवाओं का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। ओलंपिक में इस स्पर्धा में भारत का प्रदर्शन भी शानदार रहा है। यहां प्रशिक्षण के लिए उच्च कोटि के शूटिंग रेंज की जरूरत है। निर्माणाधीन शूटिंग रेंज प्रशिक्षण के लिए उत्तम होगा।

प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों के अंदर छुपी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है----कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा'

केपी इंटर कॉलेज में संस्थापक जयंती समारोह पर रंगोली, पोस्टर, निबंध प्रतियोगिता सपन्न'

प्रयागराज सससंस्थापक जयंती सप्ताह समारोह के अंतर्गत आज तीसरे दिन के पी इंटर कालेज में रंगोली, पोस्टर और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में छात्रध्छात्राओं की 9 टोलियों ने प्रतिभाग किया। पोस्टर प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में 27 तथा सीनियर वर्ग मैं 36 छात्रध्छात्राओं ने तथा निबंध प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में 47 तथा सीनियर वर्ग में 66 छात्र/छात्राओं ने हिस्सा लिया। राज्य ललित कला अकादमी के सदस्य कलाकार रवींद्र कुशवाहा इस समारोह के मुख्य अतिथि एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सचिन सैनी विशिष्ट अतिथि थे जिन्होंने रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका का निर्वाह भी किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कलाकार रवींद्र कुशवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों के अंदर छुपी प्रतिभा को उजागर होने का मौका मिलता है। प्रधानाचार्य डॉ योगेन्द्र सिंह ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को 2 दिसंबर को आयोजित होने वाले पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा –रंगोली प्रतियोगिता– कक्षा 11।2 की नेहा और निधि द्वारा निर्मित बेटी बचाओ की थीम पर आधारित अल्पना को प्रथम,11।2 ही की स्वाती सिंह और अर्चिता केशरी द्वारा संस्थापक मुंशी कालीप्रसाद कुल भास्कर के व्यक्तित्व का चित्रण करने वाली अल्पना को द्वितीय तथा दिव्य महाकुंभ की थीम पर आधारित 11ठ2 की आकृति कश्यप एवं आस्था की अल्पना को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। पोस्टर प्रतियोगिता– जूनियर वर्ग–अंकित सोनी 8। प्रथम, इल्मां रहमान 9ठ2 द्वितीय, प्रतीक सिंह 8। एवं वंश शर्मा 9ठ2 तृतीय। सीनियर वर्ग–स्वाती सिंह 11।2 प्रथम,कृष्ण कुमार 11ठ3 द्वितीय, हर्ष कुमार 11।1 तृतीय। निबंध प्रतियोगिता का परिणाम 2 दिसंबर को पुरस्कार वितरण समारोह में घोषित किया जाएगा।प्रतियोगिता संपन्न कराने में सुदीप कुमार, राकेश कुमार डा रिंकू बसु, प्रवीण चंद्र शर्मेन्द्र यादव,देवांशी शर्मा, दिव्या पाण्डेय, वैशाली श्रीवास्तव आदि शिक्षक, शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

कविता-संग्रह 'हर कविता कहती है' पर बातचीत सम्पन्न

प्रयागराज। सलोक भारती प्रकाशन,सिविल लाइन्स, प्रयागराज के तत्त्वावधान में डॉ०कल्पना वर्मा की कविता–संग्रह श हर कविता कुछ कहती है पर प्रो० हेरम्ब चतुर्वेदी की अध्यक्षता में

साहित्यिक कार्यक्रम श्बातचीत के अन्तर्गत संग्रह के विभिन्न आयामों सार्थक चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो०आनन्द श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि प्रो० कुमार वीरेन्द्र जी रहे। प्रो० आशुतोष पार्थेश्वर तथा श्री रविनन्दन सिंह ने वक्ता के रूप में काव्य–संग्रह की कविताओं के हर पहलुओं को छूते हुए,सारगर्भित व्याख्या की। कार्यक्रम का संचालन संचालन डॉ० अमृता ने किया तथा डॉ० कल्पना वर्मा ने आभार ज्ञापित किया। उमेश श्रीवास्तव,डॉ०प्रदीप चित्रांशी सहित दर्जनभर श्रोतागण ने इस श्बातचीत श की संगोष्ठी में उपस्थित रहे।

योगी कैबिनेट में फेरबदल की सुगबुगाहट तेज

सहयोगी भी कर सकते हैं दावेदारी, दलित–ओबीसी समीकरण साधने की है तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा गठबंधन ने 7 सीटें जीतकर उनपर कमल खिलाया है। उपचुनावों के परिणाम के बाद योगी कैबिनेट में फेरदबल की अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। राजनीतिक गलियारों में प्रदेश मंत्रिमंडल में फेरबदल की सुगबुगाहट काफी तेज हो गई है। कई विधायक जहां मंत्री बनने के लिए जोड़–तोड़ में जुट गए हैं। गौरतलब है कि सहयोगी दल के नेता भी मंत्रिमंडल में अपनी जगह बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। हालांकि, मंत्रिमंडल में फेरबदल दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद ही संभव है। सूत्रों की मानें तो इस बार योगी कैबिनेट में बड़े पैमाने पर फेरबदल के चलते कई कैबिनेट और राज्यमंत्रियों का पत्ता साफ हो सकता है। विधानसभा उपचुनाव के बाद से राज्य सरकार मिशन–2027 की तैयारी में जुट गई है। जिसे देखते हुए यह कयास लगाया जा रहा है कि इस बार मंत्रिमंडल विस्तार को अधिक समय तक टाला नहीं जाएगा। सूत्रों के मुताबिक इस संबंध में जल्द ही दिल्ली में बैठक हो सकती है। जिसमें मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर रूपरेखा तय की जाएगी। बता दें कि विधानसभा उपचुनाव के पहले से ही मंत्रिमंडल में फेरबदल की कयासबाजी शुरू हो गई थी, लेकिन किसी न किसी वजह से यह मामला टल रहा था। लोकसभा चुनाव में ओबीसी और दलित मतदाताओं के बिखराव ने भाजपा को गहरी चोट दी थी। जिसके चलते भाजपा काफी डगमगा गई थी। लोकसभा चुनाव में मिले भारी नुकसान की भरपाई के लिए भाजपा ने उपचुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। जिसके परिणाम बीजेपी की ऐतिहासिक जीत के रूप में देखने को मिले। 2027 में भी भारतीय जनता पार्टी भगवा लहरा सके इसलिए ओबीसी और दलित समीकरण साधने के लिहाज से मंत्रिमंडल विस्तार में इन जातियों के बड़े चहरे शामिल किए जा सकते हैं। मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कयास यह भी लगाए जा रहे हैं कि विधानसभा उपचुनाव में जीत दर्ज करने वाले विधायकों को भी मौका दिया जा सकता है। खास तौर से जिन सीटों पर भाजपा सालों से हाथ मल रही थी और इस बार वोटबैंक साधने में कामियाब रही है, वहां से जीतने वाले विधायकों को मंत्रीपद देकर पुरस्कृत किया जा सकता है। वहीं, लंबे समय से मंत्री रहने के बावजूद बेहतर परिणाम न देने वाले कई मंत्रियों की कुर्सियां छिन सकती हैं।

जानकारी ही बचाव है समझो एडस को, चुनो जिन्दगी को

लखनऊ, संवाददाता। जानकारी ही बचाव है समझो एडस को, चुनो जिन्दगी को'–'ऐसे ढेरों जानकारी से भरे तथा प्रेरणादायी स्लोगन व पोस्टर के साथ विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. विंग द्वारा महाविद्यालय परिसर में प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता एवं एन.सी.सी. अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढी के नेतृत्व में पोस्टर, स्लोगन तथा संवाद के माध्यम से जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कैडेट सोनल सिंह, भूमिका पुनेठा, रिद्धिमा गिरी, कशिश गौतम, सिद्धी यादव तथा छवि पांडे संवाद के माध्यम से यह बताया कि एच.आई.वी. एडस संक्रिमत सुई या सिरिंज के प्रयोग से, एडस संक्रमित रक्त चढ़ाने से, असुरक्षित यौन सम्बन्धों से, तथा संक्रमित माता से उसके होने वाले बच्चे को होता है। इसका वायरस ऐसा विषाणु है जो शरीर की प्रतिरोधक शक्ति को कम कर देता है। जानकारी व बचाव ही एकमात्र उपाय है। हमेशा जॉचा हुआ रक्त की प्रयोग करना चाहिए, सुरक्षित यौन सम्बन्ध को अपनाना चाहिए, सदैव नई सुई व सिरिंज का इस्तेमाल ही करना चाहिए। कैडेटस ने आम लोगों की इस सम्बन्ध में यह भीबताया कि एडस संक्रमित व्यक्ति को छूने, साथ खाना खाने, देखभाल करने आदि से नहीं फैलता। प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने कैडेट्स के प्रयास के प्रशंसा करते हुए कहा कि स्वास्थ्य किसी भी देश के विकास में एक महत्वपूर्ण मुद्दा होता है ए यदि नागरिक स्वस्थ होंगे तभी देश के विकास में योगदान दे सकेंगे,युवाओं की इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका है, कार्यक्रम संयोजक मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढी ने कहा कि विश्व एड्स दिवस 2024 की थीम है – सही रास्ते पर चले, मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार जिसके अनुसार स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है,सार्वजनिक स्थल पर बनाए जाने वाले टैटू, कान छिदवाने आदि से पूर्व इस बात की जांच अवश्य करनी चाहिए कि संबंधित सुई संक्रमित ना हो अन्यथा स्वास्थ्य संबंधी समस्या का सामना करना पड़ सकता है, एडस युवा वर्ग के स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा समस्या बन चुका है इसलिए इनको विशेष रूप से जागरूक व प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। कैडेटस ने इस बात का संकल्प भी लिया कि वे इस जानकारी को समाज के अधिक से अधिक व्यक्तियों तक पहुंचा कर स्वस्थ्य भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे। कार्यक्रम में सीनियर अंडर ऑफिसर पलक गुप्ता, स्वीटी सिंह, गौरवी यादव, श्रेया गुप्ता, शिवानी वर्मा, लक्षिका किशोर, अवंतिका गुप्ता आदि बड़ी संख्या में कैडेट्स सम्मिलित हुए। एनसीसी गान एवं भारत माता की जय के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सी. एम .पी .कॉलेज में शिक्षक मंच का भव्य आयोजन'

प्रयागराज सचौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय में दिनांक 29/11/2024 को हीरक जयंती समारोह एवं मुंशी काली प्रसाद कुलभास्कर जन्म सप्ताह के तहत शिक्षक मंच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ संयोजक प्रोफेसर एस. पी. सिंह ने अतिथियों का स्वागत कर किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शासी निकाय के अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार सिन्हा ने अपने उद्बोधन में मुंशी काली प्रसाद जी के कार्यों को रेखांकित किया। कार्यक्रम में अनेक महाविद्यालयों के शिक्षकगण के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। सी .एम. पी. कॉलेज के संगीत विभाग के द्वारा स्वागत गान,अंग्रेजी विभाग के अध्यापकों के द्वारा शारदा सिन्हा के स्मृति में उनके गीत , वनस्पति शास्त्र के डॉ दीपक गोंड के द्वार कविता की , विधि विभाग के द्वारा भजन , जी गणेशन के द्वारा गजल,राजस्थानी लोकगीत की प्रस्तुति डॉ. दीप्ति विष्णु एवं डॉ आकांक्षा पाल ,डॉ. राजेश यादव ने भजन, डॉ आर पी गुप्ता के द्वार शेक्सपियर के कविता का वाचन ,संस्कृत विभाग के द्वारा कवाली , प्रोफेसर अर्चना खरे के द्वारा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित लोकगीत की प्रस्तुति दी गई। इलाहाबाद डिग्री कॉलेज के संगीत विभाग के द्वारा शास्त्रीय संगीत एवं लोक संगीत की सुंदर प्रस्तुति की गई। ई. सी. सी. के डॉ. पद्म भूषण जी के द्वार फिल्मी गीत, राजर्षि टंडन के डा. नमिता यादव के द्वारा गीत ज्योति कलश छलके की प्रस्तुति, जगत तारण के डॉ नम्रता देव के द्वारा गजल एवं गीत के. पी. इंटर कालेज के शिक्षक के द्वारा भजन एवं गजल को प्रस्तुत किया गया। ज्ञात हो कि सी. एम. पी. महाविद्यालय की स्थापना सन 1950 में हुआ था और महाविद्यालय सत्र 2024–2025 को हीरक जयंती के रूप में मना रहा है। ध न्यवाद ज्ञापन प्राचार्य प्रो . अजय प्रकाश खरे मंच संचालन डॉ. दीप्ति विष्णु ने किया। इस मौके पर डॉ.विवेक निगम ऑक्टा के अध्यक्ष प्रोफेसर उमेश प्रताप, श्री राजेंद्र श्रीवास्तव , प्रो. रजत श्रीवास्तव, डॉ. सरोज सिंह के साथ साथ सी. एम. पी. एवं अन्य महाविद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे ।

बारात का इंतजार करता रहा परिवार...दूल्हा फरार, पिता बोले-इज्जत मिट्टी में मिल गई

लखनऊ, संवाददाता। शाम 7 बजे बारात आनी थी। हम इंतजार कर रहे थे। 5 बजे समधी का फोन आया। उन्होंने कहा सुबह 11 बजे बेटा टेलर की दुकान पर कपड़ा लेने गया था। अभी तक नहीं लौटा। हम बारात लेकर नहीं आएंगे। मेहंदी लगाकर बैठी बेटी बार–बार यही पूछ रही थी कि आखिर बारात क्यों नहीं आई। मेरी इज्जत मिट्टी में मिल गई। यह कहते हुए रिटायर कर्मचारी चुन्नीलाल शर्मा फफक पड़े। पिता मैरिज गार्डन में दिखाते हुए बोले–देखो, मंडप में अंधेरा है। कुर्सियां खाली हैं। मेज पर रखा खाना ठंडा हो चुका है। परिवार के लोग बेसुध ा बैठे हैं। बेटी के आंसू नहीं रुक रहे। वह रोते–रोते तीन बार बेहोश हो गई। चुन्नीलाल शर्मा की बेटी रिचा की शादी वजीरगंज में राम गोपाल शर्मा के बेटे अक्षय से एक साल पहले तय हुई थी। शादी के लिए कमता में गेस्ट हाउस बुक किया था। रिश्तेदार और सगे–संबंधी पहुंच गए थे। शाम पांच बजे बारात पहुंचने के कुछ घंटे पहले दूल्हे के पिता राम गोपाल ने फोन किया कि मेरा बेटा कहीं चला गया है। अब हम बारात लेकर नहीं आएंगे। तब हमने कहा बेटा नहीं मिल रहा है। हमें सही–सही जानकारी दीजिए आखिर हुआ क्या है? तब दूल्हे के पिता ने कहा– भाई साहब हम झूठ नहीं बोल रहे...मेरा लड़का नहीं मिल रहा है। इतना कहकर फोन काट दिया। इसके बाद फोन स्विच ऑफ कर दिया। लड़की के भाई पुनीत शर्मा ने कहा पिताजी को खबर मिली कि बारात नहीं आएगी वो बेहोश होकर गिर पड़े। रिश्तेदारों में उदासी छा गई। पिछले 1 साल से हम शादी की तैयारी कर रहे थे। मां भी परेशान हो गई। घर में उदासी फैल गई। दुल्हन की मां सरिता ने रोते हुए बोलीं– घर पर पूरे मेहमान आए हैं। 500 लोगों के लिए खाना बना है। सब खराब हो गया है। हमारी इज्जत भी गई। पूरा परिवार सदमे में है। बहन बेहोश हो गई। शादी का घर मातम में बदल गया। हमारा लाखों रुपए खर्च हो गया। लड़के के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। शादी में कैटरिंग का काम करने वाले अखिलेश श्रीवास्तव ने कहा 30 वर्षों से काम कर रहे हैं। पहली बार ऐसा हुआ है कि शादी के 2 घंटा पहले दूल्हा गायब हो गया हो। यह विषय गंभीर है। दुल्हन के पिता की तरफ से चिनहट थाने में तहरीर दी गई है। दूल्हे के माता–पिता और मध्यस्थता कराने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। इध ार गुरुवार की ही रात दूल्हे के परिवार ने भी वजीरगंज थाने में तहरीर दी है। इंस्पेक्टर वजीरगंज दिनेश चंद्र मिश्रा का कहना है कि अक्षय कुमार शर्मा की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच की जा रही।

जटिल डायबिटीज के केसों को मैनेज करने के लिए प्रशिक्षित एंडोक्रिनोलॉजिस्ट की भारी कमी

लखनऊ, संवाददाता। डायबिटीज वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक के रूप में उभर रहा है, इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन के अनुसार, 2021 में भारत में लगभग 74 मिलियन लोग डायबिटीज से पीड़ित थे, और यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। लखनऊ में रीजेंसी हेल्थ में इंटरनल मेडिसिन के डॉ. दुर्गा प्रसाद सिंह ने जोर देकर कहा, ष्छोटे शहरों में डायबिटीज का मैनेजमेंट एक्सपर्ट और डायबिटीज शिक्षकों की सीमित उपलब्धता के कारण कई चुनौतियों को पैदा करता है। मरीजों को अक्सर आवश्यक हेल्थकेयर तक पहुँचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। हालांकि, डायग्नोसिस सेवाओं तक पहुँच में सुधार, बेहतर रोगी शिक्षा की पेशकश, और रिमोट कंसलटेंशन के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग करके इन क्षेत्रों में डायबिटीज केयर की गुणवत्ता में काफी सुधार किया जा सकता है।"भारत में डायबिटीज महामारी के लिए कई फैक्टर जिम्मेदार हैं, जिनमें शहरीकरण, गतिहीन लाइफस्टाइल, अस्वस्थ्य डाइट और आनुवंशिक ट्रेंड शामिल हैं। टाइप 2 डायबिटीज का बढ़ना केवल शहरी या समृद्ध आबादी तक सीमित नहीं हैय बल्कि यह अब छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी फैल चुका है। दुर्भाग्य से इन क्षेत्रों में डायबिटीज के बढ़ते केसों से निपटने के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी है। टियर 2 और टियर 3 शहरों में डायबिटीज के मैनेजमेंट में एक महत्वपूर्ण चुनौती यह है कि इन जगहों पर विशेष हेल्थकेयर प्रोफेसनल्स की कमी है। हालाँकि सामान्य डॉक्टर व्यापक रूप से उपलब्ध हैं लेकिन जटिल डायबिटीज के केसों को मैनेज करने के लिए प्रशिक्षित एंडोक्रिनोलॉजिस्ट की भारी कमी है। भारत में 6,500 से भी कम एंडोक्रिनोलॉजिस्ट हैं जो हैं भी वो अधिकांश टियर 1 शहरों में हैं। इस कमी का मतलब है कि छोटे शहरों में मरीज डायबिटीज से संबंधित कॉम्प्लिकेशन, जैसे न्यूरोपैथी, रेटिनोपैथी और किडनी डैमेज के मैनेजमेंट के लिए आवश्यक एक्सपर्ट केयर तक पहुँचने के लिए संघर्ष करते हैं। एक्सपर्ट की कमी के अलावा इन क्षेत्रों में डायबिटीज एजुकेटर्स और काउंसलर्स की भी कमी है। डायबिटीज मैनेजमेंट इलाज से हटकर होता है और इसके लिए मरीज को स्वयं की निगरानी, इंसुलिन एडमिनिस्ट्रेशन, डाइट में बदलाव और लाइफस्टाइल में संशोधन के बारे में शिक्षा की आवश्यकता होती है।

संक्षिप्त

बहु–विषयक अनुसंधान और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

लखनऊ, संवाददाता। बहु–विषयक अनुसंधान और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन आज प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और उद्योग विशेषज्ञों की उपस्थिति में हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन इनोवेटिव सस्टेनेबल एजुकेशन और इंटीग्रल एंड इनोवेटिव सस्टेनेबल एजुकेशन कॉलेज, कल्याणपुर, लखनऊ द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र में प्रमुख व्यक्तित्वों जैसे संजय उप्रेती (सीनियर डेटा साइंटिस्ट–आईबीएम,यूएसए), प्रो. अशोक कुमार सिंह, प्रो. अमित कुमार सिंह, प्रो. एस.पी. त्रिपाठी, और सीएमडी फिरदौस सिद्दीकी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति और प्रेरणादायक भाषणों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस सम्मेलन का उद्देश्य अंतर–विषयक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना और वैश्विक चुनौतियों का समाधान तलाशना है। इस सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सतत विकास, और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे विविध और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। सम्मेलन के उद्घाटन में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का परिचय निदेशक डॉ. अरुण कुमार शुक्ला द्वारा दिया गया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य डॉ. शैल मिश्रा ने किया। सम्मेलन कल भी जारी रहेगा और इसमें और अधिक रोचक सत्र और चर्चाएँ आयोजित होंगी।

तिलक समारोह में बवाल करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। तिलक समारोह में बवाल करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ये आरोपी दिलीप चौरसिया के बेटे प्रांशू के तिलक समारोह में डीजे पर डांस के दौरान अभद्रता और विवाद किए थे।समारोह में जब इनको टोका गया तो गुस्से में आकर अपने साथियों को फोन कर दिया। कुछ देर बाद 12 से 15 लोग बाइक से पहुंचे। रिश्तेदारों की जमकर पिटाई कर दी। दो वाहनों में भी तोड़फोड़ की। पीड़ित दिलीप चौरसिया की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद समेत कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि पुलिस ने गुरुवार को मुख्य आरोपी रोहित (निवासी बैरीसालपुर) और शिवसागर (निवासी शेरपुर लवल, थाना निगोहां) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जयपुरिया स्कूल के टीचर ने किया सुसाइड

लखनऊ, संवाददाता। गोमतीनगर के विशालखंड में रहने वाले जयपुरिया स्कूल के टीचर ने गुरुवार को जहर खा लिया। परिजनों ने तबियत बिगड़ने पर राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। शुक्रवार को गोमतीनगर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस के मुताबिक टीचर काफी समय से डिप्रेशन में चल रहे थे। इसी के चलते उन्होंने यह कदम उठाया। गोमतीनगर इंस्पेक्टर राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि विशाल खंड निवासी आरुणि मिश्रा ने गुरुवार को घर में जहरीला पदार्थ खा लिया था। परिजनों ने बताया कि उल्टी होने पर उन्हें जानकारी हुई। डिप्रेशन के चलते काफी समय से गुमशुम थे। इसका इलाज भी कराया गया। वहीं दूसरी तरफ पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने इस विषय पर कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया।

बिना कनेक्शन के बिल आने पर व्यापारियों का विरोध, नगर आयुक्त से मिले व्यापारी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में बिना पानी के कनेक्शन के बावजूद कई व्यापारियों को जलकल विभाग द्वारा पानी का बिल भेजे जाने पर व्यापारियों ने विरोध जताया है। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने इस मुद्दे को लेकर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल के नेतृत्व में व्यापारियों ने नगर आयुक्त से मिलकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। व्यापारियों का कहना था कि जिन दुकानों पर पानी का कनेक्शन ही नहीं है उस पर जलकल विभाग किस आधार पर पानी का बिल भेज रहा है? उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए ओटीएस (ओपन टर्म स्कीम) के तहत गृहकर समाधान की भी मांग की। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने व्यापारी प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि जलकल विभाग के महाप्रबंधक के साथ बैठक कर इस समस्या का हल निकाला जाएगा। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी, प्रदेश संगठन मंत्री जावेद बेग, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश सिंह, अश्वन वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय.....

कट्टरता का बांग्लादेश

बांग्लादेश में हसीना सरकार के पतन और उनके भारत में शरण लेने के बाद अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर जिस तरह लगातार हमले हो रहे हैं, इस्कॉन से जुड़े धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी उसकी अगली कड़ी है। दास की जमानत याचिका खारिज होने के बाद उनके वकील की निर्मम हत्या असहिष्णुता की पराकाष्ठा को ही दर्शाती है। इससे अंदाज लगाया जा सकता है कि वहां अल्पसंख्यक किन भयावह स्थितियों का सामना कर रहे हैं। इतना ही नहीं धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे लोगों पर हमले तक किए गए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के पैरोकार दास को कथित रूप से बांग्लादेशी झंडे का अपमान करने तथा राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उनकी गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने के कारण बांग्लादेश और सीमा पार भारत में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं। दरअसल, इस अशांति का संदर्भ लगातार अल्पसंख्यक उत्पीड़न के पैटर्न में निहित हैं। बांग्लादेश के संवैधानिक आश्वासन के बावजूद वहां के हिंदू, जो कि आबादी का लगभग नौ फीसदी हैं, लगातार हिंसा, बर्बरता और सामाजिक उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। वहां हिंदुओं के घरों व मंदिरों पर भीड़ पर हमलों की खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। जिसमें हसीना सरकार के पतन के बाद खासी तेजी आई है। आधिकारिक रूप से इस्लामिक धर्म वाले इस देश में यह स्थिति अल्पसंख्यकों की व्यापक असुरक्षा को दर्शाती है। अल्पसंख्यक संगठनों द्वारा सुरक्षा की गुहार लगाये जाने के बाद विश्वास बहाली की जिम्मेदारी कार्यवाहक सरकार पर है। जिसका दायित्व बनता है कि उत्पीड़न के शिकार लोगों को न्याय दिलाने के लिये विशेष न्यायाधिकरण के जरिये यथाशीघ्र कार्रवाई करे। यदि समय रहते ऐसा नहीं होता तो अशांति के बढ़ने का खतरा बना रहेगा। मौजूदा घटनाचक्र से बांग्लादेश की प्रगतिशील लोकतंत्र की छवि कमजोर हुई है। निस्संदेह, वहां सभी अल्पसंख्यकों के लिये शांति और सुरक्षा एक जीवंत वास्तविकता होनी चाहिए। ढाका सरकार को छात्र आंदोलन के जरिये हुए राजनीतिक परिवर्तन के बाद पनप रही कट्टरता पर अंकुश लगाना चाहिए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लगातार उत्पीड़न के विरोध में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएं गाहे–बगाहे आती रही हैं। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर गंभीर चिंता जतायी थी। यहां तक कि ट्रांसपेरंसी इंटरनेशनल ने भी अपनी हालिया रिपोर्ट में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के दौरान अल्पसंख्यकों पर बढ़े हमलों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। रिपोर्ट में हसीना सरकार के पतन के बाद के एक पखवाड़े में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के दो हजार से अधिक मामलों का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट इस बात पर भी चिंता जताती है कि ऐसे मामलों में अपराधियों की पहचान होने के बावजूद उन्हें दंडित नहीं किया गया। बल्कि इसके बहाने राजनीतिक विरोधियों को ही निशाना बनाया गया। ऐसी हिंसा के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र की तरफ से भी तल्ख प्रतिक्रिया दर्ज की गई है। यह विडंबना ही है कि जिस बांग्लादेश की स्थापना भारत के त्याग व बलिदान के चलते एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में हुई थी, आज वहां यूनस सरकार उन मूल्यों को ताक पर रख रही है। भारत सरकार के विरोध के बावजूद यूनस सरकार किसी भी तरह से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की गारंटी देने को तैयार नहीं है। बांग्लादेश का इतिहास बताता है कि जब–जब सेना के हाथ में सत्ता की बागडोर आई है, तो कट्टरपंथियों को संरक्षण मिला है। ऐसे में फौज द्वारा गठित अंतरिम सरकार से इस दिशा में किसी बड़ी पहल की उम्मीद करना बेमाने ही होगा। भारत सरकार को राजनीतिक व कूटनीतिक प्रयासों से अंतरिम सरकार पर दबाव बनाना होगा ताकि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दे। तभी कट्टरपंथियों की निरंतर जारी हिंसा पर अंकुश लगाने की उम्मीद की जा सकती है। इसके साथ ही पाक समर्थित कट्टरपंथी संगठनों पर भी नियंत्रण करने के लिये दबाव बनाने की जरूरत है। वैसे अंतरिम सरकार के अड़ियल रवैये को देखते हुए बहुत ज्यादा उम्मीद इस दिशा में नजर नहीं आ रही है। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का दबाव इस दिशा में एक उपाय हो सकता है।

सम्भलः शांति बहाल हो

डॉ. दीपक पाचपोर

लोकसभा में जिस प्रकार वहां कांग्रेस व समाजवादी पार्टी के गठबन्धन ने उसे पटकनी दी थी, उसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुरझाये हुए थे। इस घटना से वे जोश में लौटे हुए दिखते हैं।

साम्प्रदायिक हिंसा में जल रहे उत्तर प्रदेश के सम्भल में जहां एक ओर नागरिक मिल–जुलकर शांति की राह ढूंढ रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की सरकार अब भी कठोर रूख अपनाये हुए है। उसने तय किया है कि कथित दंगाइयों के पोस्टर शहर के चौक–चौराहों पर लगेंगे। हिंसा, आगजनी, पत्थरबाजी आदि की घटनाओं के बीच यहां न केवल कर्फ्यू लगाया गया बल्कि पुलिस की फायरिंग में 5 लोगों की मौतें भी हुई हैं। ये सभी अल्पसंख्यक समुदाय के हैं। इंटरनेट बन्द है। हिंसा को रोकने के प्रति यदि सरकार वास्तव में संजीदा है तो उसे सर्वप्रथम नेटबन्दी हटानी चाहिये और शांति बहाली के प्रयासों को प्रोत्साहन देना चाहिये। हालांकि इसकी गुंजाइश कम ही है क्योंकि ऐसी घटनाएं भाजपा के ध्रुवीकरण के एजेंडे को आगे बढ़ाती हैं। आशंका है कि सम्भल की तज र्पर फायदा लेने के लिये भाजपा नये शहरों को निशाना न बनाने लगे। अभी खत्म हुए राज्य के विधानसभा उपचुनाव के नतीजों में 9 में 7 सीटें जीतकर भाजपा के हौसले बुलन्द हैं। लोकसभा में जिस प्रकार वहां कांग्रेस व समाजवादी पार्टी के गठबन्धन ने उसे पटकनी दी थी, उसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुरझाये हुए थे। इस घटना से वे जोश में लौटे हुए दिखते हैं। वैसे यहां अगले विधानसभा चुनाव में तकरीबन सवा दो वर्षों की देर है लेकिन उत्तर प्रदेश इतना बड़ा राज्य है और उस पर ध ीरे–धीरे जिस तरह से सपा–कांग्रेस प्रभाव डाल रहे हैं, उससे योगी को ध्रुवीकरण का माहौल पूरे राज्य में बनाने के लिये इतना समय तो चाहिये ही होगा। बहुत से शहरों को सम्भल बनाये बिना भाजपा की वहां वापसी सम्भव नहीं होगी। फिर, लोकसभा चुनाव के नतीजों ने योगी को जिस प्रकार से नरेन्द्र मोदी के पीछे कर दिया है, तो उन्हें वापस रेस में आने के लिये कुछ बड़े प्रयोग करने ही पड़ेंगे जो सम्भल जैसे होने चाहिये। अब यह सपा और अन्य विरोधी दलों का फर्ज है कि वे सम्भल में शांति प्रयासों के लिये तो सक्रिय हों ही, दंगों में पीड़ित लोगों के साथ जाकर बैठें और वहां राहत और मदद प्रदान कर अपना विरोधी दल होने का दायित्व निभायें। उप्र के शहरों को सम्भल बनाने की आशंका अब अधिक बलवती हो गयी है क्योंकि वहां की शाही मस्जिद का सर्वे कराने की मांग को लेकर जिस प्रकार से दंगा फैला है वही फार्मूला अब राज्य भर में आजमाया जा सकता है। उध ार वक्फ बोर्ड पर जो संयुक्त संसदीय समिति बिठाई गयी है, उसकी सिफारिशें यदि भाजपा की विचारधारा और मंशा के अनुकूल आती हैं तो, जिसके पूरे–पूरे अनुमान हैं, हर बड़े शहर से लेकर कस्बों तक की मस्जिदों की जमीनों को लेकर मुकदमेबाजी शुरू हो सकती है। कहना न होगा कि ये सिविल के मामले होंगे जो ज्यादातर कानून की बजाय बाहुबल एवं सरकारी प्रश्रय के जरिये निपटाये जायेंगे।न्यायालय की इस मोड़ पर महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। थोड़ा पीछे जायें तो, सुप्रीम कोर्ट को उम्मीद थी कि बाबरी मस्जिद–रामजन्मभूमि को लेकर सुनाया गया फैसला देश भर में ऐसे सभी विवादों को खत्म कर देगा। हालांकि उस वक्त भी कई समझदारों ने चेताया था कि ऐसा नहीं होगा बल्कि अन्य मंदिरों के विवाद भी सतह पर आ जायेंगे या निर्मित किये जायेंगे। रामजन्मभूमि का मामला हल होने के पहले ही काशी और मथुरा की मस्जिदों की बातें तो हो ही रही थीं, आशंका है कि कई शहरों की महत्वपूर्ण मस्जिदों को विवादग्रस्त बनाया जायेगा जो सियासी मकसद से ही होगा। सम्भल मस्जिद के पुरातात्विक सर्वे की मांग भी इसी राजनीतिक जाल का हिस्सा है। सम्भल को अगर न सम्हाला गया और इसमें सियासी जीत की गंध मिल गयी तो इस प्रयोग को अन्यत्र दोहराने में वक्त नहीं लगेगाय क्योंकि भाजपा को केवल उत्तर प्रदेश में सफलता नहीं चाहिये वरन सभी राज्यों में चाहिये होगी। लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटों में गिरावट आने और उसकी सरकार के दो दलों पर आश्रित हो जाने के बाद उम्मीद थी कि भाजपा हिन्दू–मुस्लिम एजेंडा को छोड़कर वास्तविक मुद्दों पर उतर आयेगी लेकिन अब अल्पसंख्यकों के खैरख्वाह माने जाने वाली दोनों पार्टियों ने, जिनके समर्थन पर मोदी सरकार टिकी हुई है, जिस प्रकार से चुप्पी साध रखी है, उससे स्पष्ट है कि मोदी और भाजपा की राह फिर से आसान बन गयी है। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री तथा वहां की तेलुगु देसम पार्टी के चीफ चंद्रबाबू नायडू और बिहार के सीएम तथा जनता दल यूनाइटेड के सुप्रीमो नीतिश कुमार, जिस तरह से मोदी ने दोनों को साधे रखा है, नायडू–नीतीश ने सम्भल सहित ऐसे तमाम मुद्दों पर बोलना छोड़ दिया है। इसलिये इसी सोमवार से प्रारम्भ हुए संसद के सत्र में मोदी का रौब–दाब फिर से दिखने लगा है जो मौजूदा लोकसभा के शुरुआती सत्र में गायब हो चुका था। इस बीच जमीयत उलेमा–ए–हिंद के वकील ने सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार से दरख्वास्त की है कि 1991 के प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट के अंतर्गत धार्मिक स्थलों के सर्वेक्षणों पर तत्काल रोक लगाई जाये। इस अधिनियम के तहत 1947 वाली स्थिति को बनाये रखने का प्रावधान है– रामजन्मभूमि को छोड़कर। शीर्ष न्यायालय जो भी करेगा, वह बहुत महत्वपूर्ण होगा।

इंडिया को नेक्स्ट लेवल पर जाकर खेलना होगा

सर्वमित्रा सुरजन

किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए अपनी योग्यता के स्तर को बढ़ाने की जरूरत होती है, यह बात हर कोई जानता है। इन दिनों जितने भी स्मार्ट कहे जाने वाले उपकरण हम इस्तेमाल करते हैं, सब समय–समय पर अपग्रेड करने पड़ते हैं, वर्ना उनकी प्रभावोत्पादकता कम होने लगती है और जल्द ही वे बेकार हो जाते हैं। जिन लोगों को वीडियो गेम्स खेलने का शौक हैं, उन्हें पता है कि गेम में जीतने के लिए नेक्स्ट लेवल पर जाना पड़ता है और हर लेवल यानी स्तर पर बाधाएं पहले से अधिक बढ़ती हैं, जो कदम–कदम पर उलझाती हैं। खिलाड़ी का मनोबल और रुचि बरकरार रखने के लिए लाइफ–लाइन हासिल करने जैसी सुविधाएं खेल बनाने वाला दे देता है, लेकिन केवल इससे जीता नहीं जा सकता। जीत तभी मिलती है, जब खिलाड़ी का ध्यान बिल्कुल न हटे, गलती करने की कोई गुंजाइश वह न छोड़े, अपनी सभी लाइफ–लाइन्स का सोच समझकर इस्तेमाल करे और सूझ–बूझ से सभी बाधाओं को पार करे। देश में इस समय सियासत को मैदान बनाकर सत्ता तक पहुंचने के लिए जो खेल खेले जा रहे हैं, उसमें जीत हासिल करने के लिए कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी जैसे नेताओं को अब नेक्स्ट लेवल पर जाकर खेलने की जरूरत है, वर्ना वे प्रारंभिक सफलताओं में ही मगन होते रहेंगे और उध ार भाजपा जिस मकसद से सत्ता में आई है, उसे पूरा होने में वक्त नहीं लगेगा। देश के इतिहास से वाकिफ लोग जानते हैं कि आजादी के आंदोलन में भाजपा के पूर्वजों यानी संघ परिवार का राई रत्ती भर योगदान भी नहीं रहा। बल्कि हिंदुत्व का झंडा बुलंद करने के उन्माद में संघ के लोगों ने अंग्रेजों के साथ मिलकर आजादी के लिए लड़ने वालों के खिलाफ काम भी किया। जब आजादी मिली तो एक साल के भीतर ही गांध ीजी की हत्या कर दी गई, क्योंकि वे देश में सांप्रदायिक नफरत फैलाने वालों के सामने सबसे बड़ी बाधा बन चुके थे। हिंदू धर्म के अनुयायी बापू की बात पूरे देश की जनता सुनती थी और मानती थी। मुसलमानों, ईसाइयों, सिखों, आदिवासियों, दलितों तमाम तबकों के बीच गांधी को मानने वाले भी थे और अगर वे उनकी किसी बात पर सहमत नहीं होते थे तो खुलकर अपना विरोध भी प्रकट करते थे। गांधीजी की इस ताकत से जिन लोगों को अपने मकसद के लिए खतरा महसूस हुआ, उनमें से एक नाथूराम गोडसे ने उनकी हत्या ही कर दी। गांध ीजी के जीवनकाल में ही संविध ान बनाने का काम डा. अंबेडकर के नेतृत्व में शुरु हो चुका था और उनकी मौत के बाद संविध ान लागू हो भी गया। लेकिन तब भी इसका विरोध करने वाले संघ के ही लोग थे। आज उसी संघ की शाखाओं से निकले लोग और संघ की प्रेरणा से गठित भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है, और संविधान दिवस मनाने का प्रहसन पूरे सरकारी तामझाम के साथ रचा जा रहा है। भाजपा ने पहले आजादी के महानायकों पर कब्जा जमाने की कोशिश की, गुजरात में सरदार पटेल की बनी विशाल मूर्ति इसका प्रमाण है, और अब वह संविधान पर अपना मालिकाना हक साबित करने में लगी है। इसका उदाहरण संसद में 26 नवंबर को नजर आया, जब भाजपा के साथी जदयू सांसद ललन सिंह ने कहा कि कांग्रेस का संविधान से क्या लेना–देना है, उसने तो देश में आपातकाल लगाया था। इस तरह के बयानों से भाजपा के मकसद खुलकर जाहिर हो जाते हैं। क्योंकि 50 साल पहले के फैसले का जिक्र तो एनडीए के नेता कर रहे हैं, लेकिन मौजूदा हालात पर संसद में चर्चा नहीं होने देते। पिछले साल मणिपुर का मामला संसद में बार–बार उठा और हर बार सरकार चुप रही, सदन को स्थगित कराने या सांसदों को निलंबित करने में उसका जोर रहा। इस बार गौतम अडानी पर लगे आरोप, संभल की हिंसा जैसे मामलों पर विपक्ष चर्चा करना चाहता है, तो सदनों को स्थगित करने का सिलसिला फिर शुरु हो गया है। लोकतंत्र और संविध ान बचाने के नाम पर भाजपा क्या खेल कर रही है और किन नियमों के साथ वह खेल रही है, यह दिन के उजाले में चीजों को देखने जैसा साफ हो चुका है। इसके बाद विपक्ष को तय करना है कि वह इस खेल को किस तरह से खत्म करे और जब वह मैदान में उतरे तो उसकी तैयारियां कैसी हों। उदाहरण के लिए बटेंगे तो कटेंगे या एक हैं तो सेफ हैं, जैसे नारों के बारे में जनता को सावधान करने का काम विपक्ष कर सकता है। नरेन्द्र मोदी, आदित्यनाथ योगी जैसे नेता आगे भी इसी तरह के नारे देंगे, जो इनसे भी अधिक भड़काऊ हो सकते हैं। पहले कपड़ों से पहचानने, श्मशान–कब्रिस्तान, 80–20 जैसी तुलनाएं चुनावी मंचों से करके साफ–साफ हिंदुओं को मुसलमानों से अलग होने का आह्वान किया गया। अब रोटी, बेटी छीन लेंगे और बंटेंगे तो कटेंगे तक बात पहुंचा दी गई है। यहां भाजपा से सवाल किया जाना चाहिए कि सबका साथ और सबका विकास की बातें आपने ही की, फिर 10 सालों में ऐसा क्यों हुआ कि आपको बांटने और काटने की बात करनी पड़ रही है। और कौन, किसको बांट रहा है, ये भी भाजपा समझा दे। राहुल गांधी जिस जाति जनगणना और 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा बढ़ाने की बात कर रहे हैं, उसमें सबसे अधिक भला दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों का होना है। क्योंकि इन्हीं को हिंदू धर्म के भीतर बंटवारा करके नीचे स्थान पर रखा गया। उन्हें पढ़ने, मनचाहा काम करने, मनचाही जीवनशैली अपनाने से वंचित किया गया। अगर कोई इसका उल्लंघन करे तो उसे दंडित किया गया। ऐसा नहीं है कि यह गुजरी सदी की बातें हैं। आज भी तो किसी दलित को मूंछ रखने या घोड़ी चढ़ने पर प्रताड़ित किया जाता है। आदिवासी के सिर पर पेशाब करने की घटना भाजपा के राज्य में ही घटी। तो फिर भाजपा किन लोगों को एक हैं तो सेफ हैं– का पाठ पढ़ाने निकली है। संभल में जो घटना घटी, उसमें साफ नजर आ रहा है कि जानबूझ कर एक नया विवाद खड़ा हुआ, जिसमें हिंसा हुई और पांच निर्दोषों की जान गई। क्या योगी सरकार ये बता पाएगी कि उसके रहते बांटने और काटने वाली घटना कैसे घटित हुई? जाहिर है वह इस मामले में चुप रहेगी, लेकिन जैसा मैंने शुरु में कहा खेल जीतने के लिए नेक्स्ट लेवल पर जाने की जरूरत है, तो अब इंडिया गठबंधन के नेताओं को इसके लिए तैयार हो जाना चाहिए। इसमें सबसे पहले संविधान की प्रस्तावना के अनुरूप देश में माहौल बनाने पर काम करना होगा। धर्मनिरपेक्षता केवल भाषणों का हिस्सा न रहे, वह व्यवहार में भी नजर आए। इंडिया गठबंधन के कई नेता राहुल गांधी से लेकर अरविंद केजरीवाल तक समय–समय पर मंदिर जाते नजर आते हैं। बेशक अपनी ध ार्मिक आस्था के अनुरूप पूजा करना उनका हक है, लेकिन क्या यह जरूरी है कि इसका सार्वजनिक प्रदर्शन भी हो। इस मामले में नेहरूजी की मिसाल को दोहराने की जरूरत है। क्योंकि नर्म हिंदुत्व, उग्र हिंदुत्व की सियासत करने में संविधान की भावना उलझ गई है और इसका फायदा उठाकर भाजपा संभल जैसी घटनाओं को अंजाम दे रही है। अल्पसंख्यकों के हक की बात करने पर इसे तुष्टिकरण का नाम दिया जाता है, भाजपा की इस चालाकी से निपटने के लिए इंडिया के नेताओं को अब पूरी स्पष्टता के साथ जिन अल्पसंख्यक समुदायों पर अत्याचार होता है, उनका नाम लेना चाहिए। जैसे मुस्लिम समुदाय या ईसाई समुदाय कहना चाहिए, जो अल्पसंख्यकों में खास तौर पर प्रताड़ित किए जाते हैं। संसद में भी विपक्ष की आवाज को दबाने की तैयारी भाजपा की रहती है, नेताओं के भाषण से कई जरूरी बातें कार्रवाई से बाहर हो जाती हैं, लेकिन सूचना क्रांति के दौर में अपनी बात को जनता तक पहुंचाना अब कठिन नहीं रह गया है। अगर संसद में आपको बोलने नहीं दिया जा रहा, मीडिया में आपको अपमानित करने के लिए बुलाया जाता है, तो फिर सीधे जनता के बीच जाना ही रास्ता रह जाता है।

बांग्लादेश मीडिया डॉ. मोहम्मद यूनुस के भ्रमित विचारों के खिलाफ हो गया

आशीष विश्वास

ऐसा अक्सर नहीं होता कि किसी देश के नेता द्वारा विदेशी मीडिया को दिया गया साक्षात्कार देश में कोई बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा कर दे। लेकिन हाल ही में कार्यवाहक बांग्लादेश प्रशासन के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस द्वारा दिये गये साक्षात्कार ने ऐसा ही किया है, जिससे उनके इरादों पर सवाल उठाते हुए एक नयी घरेलू बहस शुरू हो गई है।डॉ. यूनुस को इसके लिए खुद को ही दोषी मानना चाहिए। मीडिया के साथ प्रत्येक बातचीत में भारत से संबंधित किसी भी प्रश्न या मुद्दे से निपटने में उनकी बेचैनी अधिक से अधिक स्पष्ट होती जाती है। इस बार भारत से प्रकाशित एक प्रमुख अंग्रेजी दैनिक के साक्षात्कारकर्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान यूनुस ने दिल्ली से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद की बांग्लादेश वापसी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। मुख्य सलाहकार ने कहा कि उनकी पार्टी (अवामी लीग) के लंबे शासन के दौरान भ्रष्टाचार, हत्याओं और अन्य हमलों के कई आरोपों के मद्देनजर उन्हें बांग्लादेश में मुकदमे का सामना करना चाहिए। प्रमुख एएल नेताओं सहित कई गिरफ्तारियां पहले ही हो चुकी हैं, क्योंकि वर्तमान प्रशासन ने पीड़ित विपक्षी नेताओं और आम लोगों से कार्यवाहक सरकार को प्राप्त कई आरोपों की आधिकारिक जांच शुरू कर दी है। वह 5 अगस्त को एक उग्र सशस्त्र भीड़ के हमले से बचने के लिए भारत आ गई थीं और यहीं शरण ले रही थी। लेकिन उन्होंने अपने निर्वासन से अपने राजनीतिक बयान जारी रखा। बांग्लादेशी टिप्पणीकारों के अनुसार, डॉ. यूनुस ने चेतावनी दी कि भारत द्वारा ढाका की उनके प्रत्यावर्तन की मांग को नजरंदाज करने की स्थिति में भारत–बांग्लादेश संबंधों पर असर पड़ सकता है। हमेशा की तरह सतर्क बांग्लादेशी टिप्पणीकारों ने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों में सार्वजनिक रूप से यूनुस से सवाल करने का यह मौका भुनाने में कोई समय नहीं गंवाया। एक विश्लेषक ने उनके इरादों पर सवाल उठाया। उन्होंने बताया कि पहले से ही ऐसी रिपोर्टें थीं (जिनका ढाका अधिकारियों ने खंडन नहीं किया था) कि नये शासक शेख हसीना के खिलाफ इंटरपोल अधिकारियों से शिकायत करेंगे, अगर वह ढाका नहीं लौटीं। इसलिए डॉ. यूनुस को तुरंत निम्नलिखित सवालों का जवाब देना चाहिए– 1. क्या बांग्लादेश ने आधिकारिक तौर पर भारत सरकार से श्रीमती वाजेद को वापस भेजने का अनुरोध किया था? अगर जवाब हां में है, तो भारत की प्रतिक्रिया का विशिष्ट विवरण क्या था? सच तो यह है कि ढाका ने इस मामले में अभी तक भारत से कोई अनुरोध नहीं किया है। 2. ऐसे में बांग्लादेश के अधिकारी भारत से बात किए बिना ही इस मुद्दे को इंटरपोल अधिकारियों के पास ले जाने की बात क्यों कर रहे थे? इससे यह स्पष्ट था कि डॉ. यूनुस ने एक बार फिर हर मोड़ पर भारत के साथ विवाद पैदा करने की कोशिश की थी। इंटरपोल के बारे में बातचीत भारत पर दबाव बनाने की एक भद्दी कोशिश थी और बांग्लादेश ने एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दे पर जल्दबाजी में कदम उठाया। एक वरिष्ठ टिप्पणीकार ने कहारू डॉ. यूनुस ने मुख्य सलाहकार बनने के बाद भारत का जिक्र करते हुए कहा था कि नया बांग्लादेश अपने पड़ोसी के साथ अच्छे संबंधों की उम्मीद करता है। अगर कोई समस्या होती है, तो दिल्ली को यह समझना चाहिए कि दक्षिण एशिया में भारतीय हितों को नुकसान हो सकता है। यूनुस ने कहा था कि– अगर भारत–बांग्लादेश संबंध ों में गिरावट आती है, तो भारत को अपने पूर्वोत्तर क्षेत्र, बांग्लादेश या यहां तक कि म्यांमार में भी नई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है... इसका मतलब यह है कि नये गैर–अवामी लीग सरकार के अधिकारी बांग्लादेशी क्षेत्र में अलगाववादी तथा उग्रवादी संगठनों को पनाह देना शुरू कर सकते हैं और अन्य चीजों के अलावा पहले की तरह उनके भारत विरोधी अभियानों में उनकी मदद कर सकते हैं। भारत के लिए, वर्तमान स्थिति में दिल्ली की मुख्य चिंता असुरक्षित हिंदू अल्पसंख्यक आबादी के खिलाफ बार–बार होने वाले हमले हैं। पिछले तीन महीनों में बांग्लादेश के विभिन्न जिलों में इस तरह के हमलों को दर्शाने वाली रिपोर्ट और चौंकाने वाले वीडियो सामने आये हैं। इनमें से कई में हिंदुओं के खिलाफ आगजनी और हमले और उनकी संपत्ति की लूटपाट आदि दिखाई गई है। एमनेस्टी इंटरनेशनल और अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे संगठनों ने इसकी निंदा की थी। हमलों की दुनिया भर में निंदा की गई थी, लेकिन ढाका स्थित शासक चुप रहे। फिर भी डॉ. यूनुस ने इन चिंताओं को संबोधित करने के बजाय, हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों की सभी रिपोर्टों को शनिराधार और अतिरंजित्य बताकर अधीरता से खारिज कर दिया, जिससे इस्लामी चरमपंथियों को अल्पसंख्यकों के प्रति अपने दृष्टिकोण में और अधिक आक्रामक होने का प्रोत्साहन मिला। वास्तव में, उन्होंने हमेशा की तरह भारतीय अखबार के साथ अपने नवीनतम साक्षात्कार में ऐसे आरोपों का खंडन किया! सबसे मजबूत विपक्षी दल, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेताओं सहित वरिष्ठ राजनेताओं ने यूनुस को भारत जैसे देशों के साथ अच्छे संबंध बनाये रखने की आवश्यकता के बारे में स्पष्ट रूप से याद दिलाया है। उन्होंने 1970–71 में बांग्लादेशी स्वतंत्रता के संघर्ष में दिवंगत शेख मुजीबुर रहमान या एएल द्वारा निभाई गई भूमिका को पूरी तरह से नकारने के बारे में नये प्रशासन द्वारा अपनाये गये रुख का विरोध किया।कुछ लोगों ने पूछा था कि 1970–71 में यूनुस कहां थे, जब पाकिस्तानियों ने हजारों निर्दोष बंगालियों का कत्लेआम किया था और सैकड़ों स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान कुर्बान कर दी थी? वर्तमान में प्रतिबंधित एएल को खोई हुई राजनीतिक जमीन वापस पाने में किसी भी तरह की मदद करने से परे बीएनपी के नेतृत्व वाली सभी विपक्षी ताकतें अब चाहती हैं कि यूनुस घोषणा करें कि वे कार्यवाहक शासन के कार्यकाल को समाप्त करते हुए अगले चुनाव कब करा सकते हैं। वे यह भी चाहते हैं कि एएल चुनाव लड़े, ताकि निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित हो सके। हाल के दिनों में अधिकांश टीवी पैनल चर्चाओं या अखबारों की टिप्पणियों के लहजे को देखते हुए, बीएनपी और अवामी लीग विरोधी नेता भी यूनुस पर अविश्वास करने लगे हैं, जिन्हें वे एक राजनीतिक व्यक्ति के रूप में नहीं देखते हैं। जैसा कि एक टिप्पणीकार ने बताया कि 5 अगस्त के तुरंत बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मुख्य सलाहकार का लोगों, सभी विपक्षी दलों, पश्चिमी लोकतांत्रिक दलों सहित पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और उनकी पत्नी हिलेरी के नेतृत्व वाले शक्तिशाली डेमोक्रेट्स, यूरोपीय संघ के नेताओं, गैर सरकारी संगठनों, मानव संसाधन समूहों और थिंक टैंकों ने स्वागत किया था। उनसे वायदा किया गया था कि वह समय से पहले चुनाव और प्रमुख प्रशासनिक सुधार करेंगे का वादा किया गया था, जबकि साथ ही एएल को हाशिए पर डालने के लिए एक ऊर्जावान अभियान भी जोरदार तरीके से शुरू किया गया था। अब तक, नई सरकार के पहले 100 दिनों के बाद, सभी राजनीतिक दलों ने खुद को यूनुस से दूर कर लिया है। वे एएल, उसके जनसमर्थन, और पिछले योगदान को नष्ट करने के उनके गलत तरीके और कदमों का विरोध कर रहे हैं। वे हाल के बांग्लादेशी इतिहास को फिर से लिखने और बांग्लादेश के सबसे दोस्ताना पड़ोसी भारत के साथ अनावश्यक टकराव को भड़काने के उनके प्रयासों की निंदा कर चुके हैं।

मेड-इन-इंडिया ब्यूटी ब्रांडों को बढ़ावा देने मिंत्रा ने की राइजिंग स्टार्स डी2सी शिखर सम्मेलन की मेजबानी

मेड–इन–इंडिया ब्यूटी ब्रांडों को बढ़ावा देने के अपने प्रयास के तहत मिंत्रा ने हाल ही में 'मिंत्रा राइजिंग स्टार्स (एमआरएस) ब्यूटी समिट' के पहले शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। पिछले कुछ सालों में देश में ब्यूटी इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जिसमें देश के सैकड़ों स्वदेशी ब्रांड उभरे हैं। इन ब्रांडों ने ग्राहकों की ब्यूटी से जुड़ी जरूरतों को पूरा किया है। इस इकोसिस्टम को एक साथ लाने के लिए एमआरएस ब्यूटी समिट ने इनोविस्ट, होनासा कंज्यूमर लिमिटेड, एमकैफीन, हाइफेन, मिनिमलिस्ट, शुगर, बॉम्बे शेविंग कंपनी, फॉक्सटेल, पिलग्रिम, डीकंस्ट्रक्ट और एफएई ब्यूटी सहित कई अन्य प्रतिष्ठित नामों के साथ इन ब्रांड्स के बिजनेस के प्रति जज्बे की भावना का जश्न मनाया। मिंत्रा के चीफ बिजनेस अधिकारी शेरोन पेस ने कहा, ष्मिंत्रा अपने 18वें साल में प्रवेश कर रहा है। हम देश के लिए फैशन और ब्यूटी का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी यात्रा 70 लाख मासिक एक्टिव ग्राहकों और 9,700 से अधिक ब्रांडों के विश्वास पर संचालित है। आज हम एक परिवर्तनकारी युग के कगार पर खड़े हैं, क्योंकि भारत में सौंदर्य परिदृश्य अपने अगले चरण के विकास को देखने के लिए तैयार है। स्वदेशी डी2सी ब्यूटी और पर्सनल केयर ब्रांड इसको आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पेस ने आगे कहा, मिंत्रा राइजिंग स्टार्स के माध्यम से हमारा लक्ष्य देश भर में लाखों ग्राहकों तक सबसे सहज तरीके से पहुंच बनाने के लिए एक मंच प्रदान करना है। मिंत्रा राइजिंग स्टार्स ब्यूटी समिट 2024 ने व्यावहारिक चर्चाओं और बातचीत के लिए एक मंच भी प्रदान किया है, जिसमें बैन एंड कंपनी के पार्टनर श्याम उन्नीकृष्णन का सेशन भी शामिल था। जिन्होंने भारत के सौंदर्य परिदृश्य के विकास का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि 21–23 बिलियन डॉलर का भारतीय ब्यूटी और पर्सनल केयर मार्केट तेजी से बदल रहा है और अगले पांच वर्षों में ऑनलाइन बिक्री तीन गुना बढ़कर 10 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी, जिससे उभरते और डी2सी ब्रांडों के इनोवेशन का नेतृत्व करने और उभरती हुई उपभोक्ता मांग को पूरा करने के बड़े अवसर पैदा होंगे। मिंत्रा की सीईओ नंदिता सिन्हा ने होनासा कंज्यूमर लिमिटेड की सह–संस्थापक गजल अलघ के साथ बातचीत की और देश में आई–ब्यूटी को अपनाने आ रही तेजी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कैसे भारतीय उद्यमी विश्व स्तरीय उत्पादों के निर्माण में प्रगति कर रहे हैं।शिखर सम्मेलन की प्रमुख विशेषताओं में तीन–पैनल चर्चाओं का आयोजन किया गया, जिसमें उद्योग के विभिन्न पहलुओं से जुड़ी चर्चाएं शामिल थीं। इंडियाज ब्यूटी इंडस्ट्रीरू क्रैकिंग द कोडष् शीर्षक वाले पैनल में पत्रकार और लेखिका सुजाता असोमुल, एफएई ब्यूटी की संस्थापक करिश्मा केवलरमनी, इनोविस्ट, बेयर एनाटॉमी, सनस्कूप के रोहित चावला, मैककैफीन और हाइफन की मुख्य विकास अधिकारी और सह–संस्थापक वैशाली गुप्ता और फॉक्सटेल की संस्थापक और सीईओ रोमिता मजूमदार शामिल थे। इस पैनल ने इंटरनेट ब्यूटी स्पेस में चुनौतियों पर काबू पाने के लिए समाधानों पर चर्चा की। इसमें ग्राहकों के लिए व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का लाभ उठाना, टियर–ष्प और टियर–ष्प बाजारों में प्रवेश करने जैसी मांग पर चर्चा की गई। इस दौरान डी2सी परिदृश्य में किस प्रकार से ग्राहकों को बरकरार रखा जाए और किस तरह से एक ब्रांड के तौर पर विकास किया जाए, पर भी चर्चा की गई। इसके बाद एक और रोचक पैनल चर्चा हुई, जिसका विषय था जेन जेड ग्राहकों के व्यवहार को समझना। इसमें मेटा की ई–कॉमर्स डायरेक्टर मेघना अप्पाराओ, इली इंडिया की ब्यूटी एडिटर कन्नगी अनघ देसाई, अभिनेत्री अहसास चन्ना और मिंत्रा के सीएमओ सुंदर बालासुब्रमण्यम ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि जेन जेड क्यों ब्रांड्स के लिए अगली बड़ी उपभोक्ता पीढ़ी बन रही है और इनके साथ जुड़ाव कैसे बनाया जा सकता है।शिखर सम्मेलन का समापन निवेशकों पर केंद्रित चर्चा के साथ हुआ, जिसमें निवेशकों के दृष्टिकोण को समझने पर फोकस किया गया। इसमें फायरसाइड वेंचर्स के सह–संस्थापक दीपांजन बसु, डीएसजी कंज्यूमर पार्टनर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और इंडिया हेड हरिहरन प्रेमकुमार, और शुगर कॉस्मेटिक के सह–संस्थापक कौशिक मुखर्जी ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने डी2सी ब्यूटी स्पेस में निवेश के फैसले लेने के पीछे की रणनीतियों पर बात की। मिंत्रा का राइजिंग स्टार्स प्रोग्रामष्, जो पहले फैशन ब्रांड्स के लिए शुरू हुआ था, अब ब्यूटी ब्रांड्स को भी शामिल कर चुका है। इसका उद्देश्य ब्रांड्स की ग्रोथ को तेज करना और उनकी ब्रांड पहचान को मजबूत बनाना है। इस प्रोग्राम का हिस्सा बनने वाले कई ब्रांड्स ने पहले ही उल्लेखनीय प्रगति की है, और कुछ ने काफी तेज विकास दर हासिल की है। वर्तमान में 300 ब्रांड्स इस प्रोग्राम का हिस्सा हैं, और अगले कुछ महीनों में 200 और नए ब्रांड्स जुड़ने की उम्मीद है।

कजरा मोहब्बत वाला पर थिरकीं शहनाज गिल

सोशल मीडिया पर हरदम एक्टिव रहने वाली अभिनेत्री शहनाज गिल ने क्लासिक कजरा मोहब्बत वाला के नए वर्जन पर डांस करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। शहनाज ने इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो शेयर की है। इस वीडियो में उन्हें अपनी टीम के साथ सुपरहिट सदाबहार गाने श्कजरा मोहब्बत वालाश पर डांस करते हुए देखा जा सकता है। इसमें उन्हें सलवार कमीज में देखा जा सकता है। कजरा मोहब्बत वाला 1969 की फिल्म किस्मत का मशहूर गाना है और इसे आशा भोसले और शमशाद बेगम ने गाया था। फिल्म में बबीता, शेट्टी, जगदीश राज, बिस्वजीत, हेलेन, उल्हास, मुराद, कमल मेहरा, हीरालाल और इंद्र कुमार हैं। हाल ही में शहनाज ने अपनी फिल्म के सेट पर रैपर बादशाह के लेटेस्ट ट्रैक "मोरनी" पर डांस किया था और कहा था कि वह अपने पसंदीदा कामों के लिए समय निकाल ही लेती हैं। रैपर की मोरनी में अनिल कपूर और श्रीदेवी अभिनीत बॉलीवुड फिल्म लम्हे के 1991 के राजस्थानी लोक–प्रेरित गीत श्मोरनी बागा मा बोले की कुछ पंक्तियां हैं। इसे शिव–हरि ने संगीतबद्ध किया था, जिसके बोल आनंद बख्शी ने लिखे थे। इसे लता मंगेशकर और इला अरुण ने गाया था। शहनाज ने हाल ही में अपनी पंजाबी फिल्म की शूटिंग शुरू की है, जिसका निर्देशन हौसला रख, सौंकण सौंकने, काला शाह कालाश और श्झल्लेश फिल्घ्में देने वाले अमरजीत सरोन ने किया है। 22 नवंबर को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के क्लैपबोर्ड थामे एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, आज एक नए सफर का आगाज कर रही हूं और गर्व के साथ ऐलान करती हूं कि अपनी ड्रीम टीम के साथ पंजाबी फिल्म की शूटिंग शुरू कर रही हूं।

रिश्ते में समझौता नहीं चाहतीं अनन्या पांडे, बोलीं- 'मैं चाहती हूं मेरा पार्टनर मेरी बात सुने'

अभिनेत्री अनन्या पांडे एक पॉडकास्ट में अपनी कई निजी और मजेदार बातें साझा करती नजर आईं। उन्होंने बताया कि वह रिश्तों में कोई समझौता नहीं चाहती हैं। पॉडकास्ट में 'ड्रीम गर्ल 2' अभिनेत्री ने बताया कि अब किसी रिश्ते में समझौता नहीं करेंगी। इसके साथ ही उन्होंने रोमांस के बारे में भी अपने विचार रखे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री कथित तौर पर मार्च में अभिनेता आदित्य रॉय से अलग हुई हैं। पॉडकास्ट में होस्ट राज शमनी ने अभिनेत्री से पूछा कि क्या वह ऐसे रिश्ते में रही हैं, जहां उन्होंने खुद से समझौता किया हो? अनन्या ने कहा, हम सभी के साथ ऐसा होता है, मैंने अपने आसपास ऐसा देखा है और मैं भी उस परिस्थिति में रही हूं। मुझे यकीन है कि मैंने खुद को बहुत बदला है, लेकिन इस हद तक नहीं बदला कि ज्यादा बुरा हो। मुझे अहसास हुआ है कि हां, मैं जो हूं, मैं वह नहीं रही। यह मेरे लिए अच्छी स्थिति नहीं थी। होस्ट ने अभिनेत्री से पूछा कि उन्होंने खुद में क्या बदलाव किया है और वह जब पीछे मुड़कर देखती हैं तो उन्हें खुद में कितना बदलाव दिखता है? अभिनेत्री ने जवाब दिया कि उनकी मेरी पसंद और नापसंद में बदलाव हुआ है। उदाहरण के लिए, वह क्या खाती हैं, कहां जा सकती हैं, यह सब भी उनके पार्टनर की मर्जी से तय होता है। उन्होंने कहा, मैं खाना भी उसी की पसंद का खाऊंगी और मैं बाहर नहीं जाऊंगी क्योंकि मेरे साथी को घर पर रहना पसंद है...। लेकिन अब मैं ऐसा नहीं करूंगी। अब मैं चाहूंगी कि मेरा पार्टनर मुझे वैसा ही स्वीकार करे जैसी मैं हूं। मैं अपने पार्टनर को वैसा ही स्वीकार करूंगी जैसा कि वह है।" रोमांस पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा, "रोमांस के बारे में मेरी सोच यह है कि वह (मेरा साथी) जो मेरी बात सुनता है. .., छोटी–छोटी बातों को याद रखता है और मेरी बात सुनता है। मैं हर समय समाधान नहीं चाहती। मैं चाहती हूं कि मेरा पार्टनर मेरी बात सुने।" अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर को लेकर अफवाहों का बाजार काफी गर्म रहा है। अनन्या और आदित्य के रिश्ते में होने की चर्चा सोशल मीडिया पर तब शुरू हुई जब दोनों को कृति सेनन के यहां आयोजित दीपावली पार्टी में एक साथ देखा गया था। इसके बाद दोनों अक्सर साथ में नजर आते थे। यही नहीं, दोनों के रिश्ते को लेकर फिल्म निर्माता करण जौहर ने अपने टॉक शो 'कॉफी विद करण' में संकेत भी दिया था। इस शो में अनन्या के साथ सारा अली खान भी थीं। करण जौहर ने अपने टॉक शो में सारा अली से पूछा था कि अनन्या में ऐसी कौन सी चीज है जो उनके पास नहीं है। इस पर अभिनेत्री ने कहा, नाइट मैनेजर। यह इसी नाम से आदित्य रॉय कपूर स्टारर शो की ओर इशारा था। इस बात अनन्या ने शरमाते हुए कहा था, "मैं बिल्कुल अनन्या कोय कपूर जैसा महसूस कर रही हूं।"

भाभी से ऐश्वर्या राय की अनबन! ननंद संग रिश्ते पर उठी उंगली तो श्रीमा राय ने दिया मुंहतोड़ जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय लंबे समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। बी–टाउन के गलियारों में ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन के तलाक की खबरें छाईं हुईं हैं। मगर इस पर दोनों ने ही चुप्पी साधी हुई है। इन खबरों के बीच ऐश्वर्या और उनकी भाभी श्रीमा राय के बीच के तल्ख रिश्तों ने अफवाहों का बाजार गर्म गर्म कर दिया। दरअसल, श्रीमा राय ने पोस्ट शेयर किया था जिसमें उन्होंने श्वेता बच्चन को शुक्रिया कहा था। इस पोस्ट के बाद से ऐश्वर्या के अपनी भाभी श्रीमा के साथ रिश्ते पर सवाल उठ रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि ऐश्वर्या की अपनी भाभी श्रीमा से भी नहीं बन रही है। इसी बीच श्रीमा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करके सब साफ कर दिया है। श्रीमा ने अपने पोस्ट में लिखा–श्फैक्ट, मेरा बर्थडे 21 नवंबर को था और हमेशा की तरह मुझे फूल भेजे गए। मैंने उनलोगों को शुक्रिया भी कहा। एक ब्लॉगरध्कंटेंट क्रिएटर बनने से पहले मैं बैंकर रही हूं. मैं ग्लैडरैग्स मिसेज इंडिया ग्लोब 2009 भी रह चुकी हूं।साल 2017 के बाद से मैंने ब्लॉगिंग करना शुरू की थी।मैंने कभी किसी और के नाम के साथ बिजनेस शुरू नहीं किया है।श

श्रीमा ने आगे लिखा–मैं ये इसलिए लिख रही हूं क्योंकि यही फैक्ट्स हैं। मैंने अपने दम पर कई साल से एक कंटेंट क्रिएटर के तौर पर अपना एक इंडिपेंडेंट करियर बनाया है। एक महिला होने के नाते मुझे ये बिल्कुल अच्छा नहीं लगेगा अगर कोई इस फैक्ट को तोड़ने–मरोड़ने की कोशिश करे तो। इसकी गवाही मेरे हसबैंड, मेरी सासु मां और मेरे पैरेंट्स भी दे सकते हैं। एक मां होने के नाते ये क्लियर करना मेरे लिए बहुत जरूरी है जहां मेरा नाम आ रहा।श श्रीमा के इस पोस्ट के बाद से जरुर उनपर सवाल उठाने वालों को मुंह बंद हो गया होगा।

कानूनी लड़ाई के बीच सामने आई धनुष–नयनतारा की अनदेखी तस्वीर, कभी एक दूजे पर छिड़कते थे जान

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में इन दिनों एक बड़ा विवाद छिड़ा हुआ है, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता धनुष और एक्ट्रेस नयनतारा के बीच कानूनी लड़ाई चल रही है। यह विवाद नयनतारा की नेटफ्लिक्स डॉक्युमेंट्री 'नयनतारारू बियांड द फेयरी टेल' से जुड़ा है। डॉक्युमेंट्री में धनुष की सुपरहिट फिल्म 'नानुम राउडी धान' का एक 3 सेकंड का (बिहाइंड द सीन) वीडियो दिखाया गया है, जो बिना उनकी अनुमति के इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद, धनुष ने हाई कोर्ट में नयनतारा के खिलाफ केस दर्ज कर दिया है।यह मामला अब इतना बढ़ चुका है, किसी ने सोचा नहीं था। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर कलाकार एक–दूसरे का सपोर्ट करते हैं और कोई भी बड़ी लड़ाई सामने नहीं आती, लेकिन इस बार धनुष ने जो कदम उठाया, उसने सबको चौंका दिया। इस बीच, एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है, जो दोनों की पुरानी दोस्ती को उजागर करती है। इस तस्वीर में धनुष नयनतारा को गले लगाए हुए हैं और दोनों के चेहरे पर हंसी दिख रही है, जो यह साबित करता है कि ये दोनों कभी बहुत अच्छे दोस्त हुआ करते थे। इस वायरल तस्वीर में नयनतारा और धनुष के अलावा, एक्टर सिलाम्बरासन टीआर और म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर भी नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर कई साल पुरानी बताई जा रही है। इस फोटो को देखकर फैंस हैरान हो गए हैं और सोच रहे हैं कि कैसे ये गहरे दोस्त एक दूसरे के खिलाफ कोर्ट पहुंच गए। इस मामले ने साउथ इंडस्ट्री में एक नई दरार को जन्म दिया है। कुछ लोग नयनतारा का समर्थन कर रहे हैं, जबकि कुछ धनुष के पक्ष में खड़े हैं। इस विवाद के कारण साउथ फिल्म इंडस्ट्री में एक तरह की खींचतान की स्थिति बन गई है। अब सभी की नजर इस मामले पर है और यह देखना बाकी है कि यह कानूनी लड़ाई किस दिशा में जाती है।

ज्यादा साइकिल चलाने वालों को होती है साइकिलिस्ट सिंड्रोम की समस्या, ऐसे पहचानें इसके लक्षण

साइक्लिस्ट सिंड्रोम एक क्रोनिक न्यूरोपैथी पेल्विक होता है, जोकि साइक्लिंग करने वालों में ज्यादा देखने को मिलता है। यह दर्द उन लोगों को ज्यादा होता है, जो अधिक साइकिल चलाते हैं। लेकिन इसमें कुछ अन्य कारण भी शामिल हो सकते हैं। ऐसे स्थिति होने पर जेनिटल में दर्द होता है और इस स्थिति को पहचानने में अक्सर लोग गलतियां कर देते हैं। जिसका कारण इसका ठीक से इलाज न मिल पाना भी है। ऐसे में व्यक्ति को अधिक दर्द का सामना लंबे समय तक करना पड़ सकता है। इसलिए साइक्लिस्ट सिंड्रोम को पहचानने में गलती नहीं करना चाहिए। इस सिंड्रोम को पुड़ेंडल न्यूरेल्जिया के नाम से भी जाना जाता है। जब पुड़ेंडल नर्व प्रभावित होती है, तब इस सिंड्रोम का खतरा अधिक देखने को मिलता है। इस स्थिति में जेनिटल सुन्न हो सकते हैं और 12 या 24 घंटे की साइक्लिंग के बाद दोबारा दर्द हो सकता है।

लक्षण

जेनिटल्स में दर्द होना या फिर उस जगह पर सुन्न हो जाना।

जब आप बैठे होते हैं या फिर साइक्लिंग कर रहे होते हैं, तब दर्द और अधिक बढ़ जाना।

पेल्विक एरिया में दर्द इधर से उधर मूव कर रहा हो।

शरीर के एक या फिर दोनों साइड में दर्द होना।

खुजली, जलन और सुन्नपन महसूस होना।

पेशाब करने में या बाउल मूवमेंट में परेशानी होना।

सेक्सुअल डिस्फंक्शन होना।

कारण

यह नाम देखकर ही आपको लग सकता है कि सिर्फ साइकिल चलाने वाले लोगों को यह स्थिति हो सकती है। लेकिन ऐसा नहीं है। ऐसा पेल्विक की मसल्स के कंप्रेशन की वजह से भी हो सकता है। जब पुड़ेंडव नर्व प्रभावित होती है, तो यह सिंड्रोम देखने को मिलता है। प्रेग्नेंसी, शरीर में एनाटोमिक असामान्यता, बच्चे को जन्म देना या फिर सर्जरी की वजह से होने वाले घावों की वजह से आपको यह स्थिति देखने को मिल सकती है।

रिस्क फैक्टर

बता दें कि जो लोग साइकिल चलाने के दौरान अपने पोस्चर का अच्छे से ध्यान नहीं रखते हैं, या फिर साइकिल का सेटअप अच्छे से नहीं करते हैं। उनको इस सिंड्रोम के होना का अधिक खतरा होता है। अगर आप भी साइक्लिंग करने से पहले स्ट्रेचिंग या वॉर्मअप नहीं करते हैं, तो आपको इस स्थिति का खतरा अधिक होता है। अगर आपकी कोर स्ट्रेंथ इतनी मजबूत नहीं है, तो भी आपको यह हो सकता है। जिन लोगों को पोषण और हाइड्रेशन की जरूरत पूरी नहीं होती है, तो इसका अधिक खतरा होता है।

ऐसे करें सिंड्रोम की पहचान

साइक्लिस्ट सिंड्रोम को पहचानने के लिए कोई खास टेस्ट नहीं बना है। लेकिन इसके कुछ लक्षणों को देखकर आप इसकी पहचान कर सकते हैं। डॉक्टर आपके दर्द के पैटर्न और इसके कारणों को समझकर इसकी स्थिति की पता लगा सकते हैं। बता दें कि न्यूरोपैथी या डत्प के इस्तेमाल से भी इस स्थिति की पहचान कर सकते हैं।

ऐसे करें मैनेज

इस दर्द को कम करने के लिए इलाज के कई ऑप्शन मौजूद हैं। फिजियोथेरेपी के अलावा डॉक्टर आपको कई दवाइयां दे सकते हैं। इस नर्व को ब्लॉक करने के बाद आपको राहत मिल सकती है। कई बार इसके इलाज के लिए सर्जिकल नर्व डी कंप्रेशन का भी इस्तेमाल किया जाता है। इसके साथ ही आपको साइकल को अच्छे से सेटअप करना चाहिए और एक बढ़िया पोस्चर के साथ साइकिल को चलाना चाहिए। वहीं साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग और वॉर्मअप करना चाहिए। इसके अलावा पौष्टिक और हाइड्रेशन की जरूरत को भी पूरा करते हैं और बीच–बीच में आराम करना भी काफी जरूरी होता है।

घर के सामने पपीता का पेड़ लगाना शुभ है या अशुभ? जानें वास्तु शास्त्र की राय

वास्तु शास्त्र में पेड़–पौधों का विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि सही स्थान और दिशा में पेड़–पौधे लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और परिवार में सुख–शांति बनी रहती है। लेकिन सभी पेड़–पौधे हर जगह नहीं लगाए जा सकते। खासतौर पर, पपीते के पेड़ को लेकर वास्तु शास्त्र में विशेष नियम बताए गए हैं।

क्या घर के सामने पपीता का पेड़ लगाना चाहिए?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पपीता का पेड़ घर के सामने नहीं लगाना चाहिए। यह अशुभ माना जाता है। यदि पपीता का पेड़ अपने आप उग जाए, तो उसे शुरुआती अवस्था में ही उखाड़कर किसी और स्थान पर लगा देना चाहिए। अगर पेड़ बड़ा हो गया है और उसमें फल आना बंद हो गया है, तो उसे काटने के बजाय उसके तने में छेद करके उसमें हींग भरने की सलाह दी जाती है। ऐसा करने से घर पर आने वाली नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम हो जाता है।

पपीता का पेड़ क्यों नहीं लगाना चाहिए?

आर्थिक तंगी का कारण

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के सामने पपीता का पेड़ लगाना शुभ नहीं माना जाता। इसका नकारात्मक प्रभाव व्यक्ति की आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है। इस पेड़ के कारण घर के सदस्यों को धन कमाने में कठिनाई हो सकती है और अनावश्यक खर्चे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, ऐसे घर में हमेशा किसी न किसी वित्तीय समस्या का सामना करना पड़ता है, जो पूरे परिवार के लिए चिंता का कारण बन सकती है। इसलिए घर में सुख–समृद्धि बनाए रखने के लिए इस पेड़ को घर के सामने लगाने से बचना चाहिए।

सुख–शांति की कमी

पपीता का पेड़ घर के सामने या आंगन में लगाना परिवार के सदस्यों के बीच अशांति और तनाव का कारण बन सकता है। ऐसा कहा जाता है कि इस पेड़ के प्रभाव से घर में अक्सर विवाद और कलह की स्थिति उत्पन्न होती है। परिवार के सदस्यों के बीच आपसी समझ कम हो जाती है, और रिश्तों में दरार आ सकती है। इसके साथ ही, घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा की कमी होती है, जिससे घर में हमेशा भारीपन और नकारात्मकता का अनुभव होता है।

पितरों का वास

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पपीता के पेड़ को पितरों से जोड़ा जाता है। यह माना जाता है कि पपीता के पेड़ में पितरों का निवास होता है, और इसे घर के सामने या आंगन में लगाने से पितरों का प्रकोप घर पर हो सकता है। इसका प्रभाव घर के सदस्यों की सेहत, करियर और मानसिक शांति पर पड़ता है। पितरों का असंतोष परिवार के लिए कई तरह की परेशानियां खड़ी कर सकता है, जैसे कि लगातार बीमारियां, असफलता, और मानसिक तनाव। इसलिए इसे घर से दूर लगाना उचित है।

पौधे से जुड़े अन्य विश्वास

यह भी माना जाता है कि जैसे पीपल का पेड़ घर में संतान के लिए कष्टकारी होता है, वैसे ही पपीते का पेड़ भी घर की उन्नति और सुख–शांति में बाधा डालता है। पपीते का पेड़ घर में नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न कर सकता है, जिससे परिवार के सदस्यों के जीवन में अड़चनें और रुकावटें आती हैं। साथ ही, घर में लगने वाले अन्य पौधों की तुलना में यह पेड़ ज्यादा समस्याएं खड़ी करता है।

पपीता के पेड़ को कहां लगाना चाहिए?

अगर आप पपीता लगाना चाहते हैं, तो इसे घर से दूर, गार्डन, खेत या ऐसी जगह लगाएं जहां इसका असर घर पर न हो। इसे घर के मुख्य द्वार, आंगन या छत पर लगाने से बचें। घर से बाहर लगाए गए पेड़ का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और यह वातावरण को शुद्ध करने में मदद करता है। इसके अलावा, इसे सही दिशा में लगाने से भी लाभ मिलता है। उदाहरण के लिए, इसे उत्तर या पूर्व दिशा में लगाने से इसके नकारात्मक प्रभाव कम हो सकते हैं।

पपीते के पेड़ से जुड़े उपाय

पहले से लगे पेड़ का समाधानः अगर पपीता का पेड़ पहले से घर के सामने मौजूद है और उसे हटाना संभव नहीं है, तो उसके तने में छेद करें और उसमें हींग भर दें। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम हो जाता है।

छोटे पेड़ों को समय रहते हटाएंः अगर पपीते का पौधा अभी छोटा है, तो उसे तुरंत उखाड़कर किसी अन्य स्थान पर लगा दें। इससे भविष्य में होने वाली परेशानियों से बचा जा सकता है।

सही दिशा और स्थान का ध्यान रखेंः अगर आप पपीता लगाना चाहते हैं, तो इसे घर से दूर और सही दिशा में लगाएं। ऐसा करने से इसका बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पवित्र जल का छिड़कावः घर के आसपास लगे पेड़ों के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए नियमित रूप से पवित्र जल (गंगाजल) का छिड़काव करें।

घर में अन्य शुभ पौधे लगाएंः पपीते के पेड़ के प्रभाव को संतुलित करने के लिए तुलसी, अशोक, या केले का पौधा लगाएं। ये पौधे घर में सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं।

इन उपायों को अपनाकर आप घर में सुख–शांति और समृद्धि बनाए रख सकते हैं। हमेशा ध्यान रखें कि वास्तु शास्त्र में बताए गए नियमों का पालन करने से जीवन में सुखद परिणाम मिलते हैं।

नोटः यह लेख वास्तु और ज्योतिष शास्त्र के विचारों पर आधारित है। अगर आप पपीता या अन्य पेड़–पौधे लगाने को लेकर असमंजस में हैं, तो किसी विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

इन 4 तारीखों में जन्मे लोग, जब चाहें तब पा सकते हैं अपार धन और सफलता!

अंक ज्योतिष, जिसे न्यूमेरोलॉजी भी कहा जाता है, एक अद्भुत और रोचक विज्ञान है। यह जन्म तारीख और नाम की संख्याओं के माध्यम से हमारे जीवन के कई पहलुओं को उजागर करता है। अंक ज्योतिष का मानना है कि हर संख्या का एक विशेष अर्थ और प्रभाव होता है, जो हमारे व्यक्तित्व, गुण, दोष, और भविष्य को प्रभावित करता है। इस विज्ञान के अनुसार, जन्म तिथि, नाम और अन्य संख्याएं हमारे जीवन के कई राज खोल सकती हैं। आज हम आपको एक विशेष मूलांक के बारे में बताने जा रहे हैं, जो चार तारीखों में जन्मे लोगों से जुड़ा है। यह मूलांक व्यक्तियों को जब चाहें तब अपार धन और सफलता प्राप्त करने की क्षमता देता है। आइए जानते हैं कौन सी तारीखों में जन्मे लोग होते हैं इतने खास?

मूलांक 4: विशेषताएं और गुण

जिन लोगों का जन्म 4, 13, 22 या 31 तारीख को हुआ होता है, उनका मूलांक 4 होता है। ये लोग विशेष गुणों और ताकत से भरे होते हैं, जो उन्हें अपनी जिंदगी में अपार सफलता दिलाने में मदद करते हैं। अंक ज्योतिष के अनुसार, मूलांक 4 के लोगों का स्वामी ग्रह राहु होता है, जो उनके स्वभाव में रहस्यमय और जिज्ञासु प्रवृत्तियां पैदा करता है। ये लोग अपनी भावनाओं को आसानी से व्यक्त नहीं करते, लेकिन अपनी कार्यशैली और निर्णयों से दूसरों पर गहरी छाप छोड़ते हैं।

स्वतंत्रता और आत्मविश्वास की शक्ति

मूलांक 4 के लोग स्वतंत्रता को अत्यधिक महत्व देते हैं और किसी के दबाव में काम करना पसंद नहीं करते। इनका आत्मविश्वास बहुत मजबूत होता है, और वे अपने फैसलों पर अडिग रहते हैं। ये लोग हमेशा अपनी राय को सही मानते हैं और दूसरों को भी अपने फैसले पर विश्वास दिलाने में सक्षम होते हैं। यही गुण उन्हें सफलता की ओर अग्रसर करता है।

जिद्दी और अवसरवादी प्रवृत्तियां

मूलांक 4 के लोग जिद्दी होते हैं और जब अवसर मिलता है, तो वे उसे पूरी तरह से इस्तेमाल करने के लिए तत्पर रहते हैं। इनकी यह विशेषता उन्हें किसी भी परिस्थिति में सफल बनने के लिए प्रेरित करती है। ये लोग अवसरवादी होते हैं और अपनी मेहनत के साथ–साथ अपनी बुद्धि का भी इस्तेमाल करते हैं। इनके लिए रास्ते में कोई भी रुकावट देर तक नहीं टिक सकती।

दूसरों से काम निकलवाने में माहिर

मूलांक 4 के लोग अत्यधिक चतुर होते हैं और एक अच्छे कूटनीतिज्ञ के रूप में काम करते हैं। इनके पास दूसरों से काम निकलवाने की खास कला होती है। ये लोग अपनी बुद्धिमानी से परिस्थितियों का लाभ उठाते हैं और हमेशा अपने काम को सही दिशा में ले जाते हैं। इस कारण, इनका जीवन हमेशा प्रगति की दिशा में बढ़ता रहता है।

सक्सेस और धनः जब चाहें, तब पा सकते हैं

मूलांक 4 के लोग मेहनत और कड़ी प्रयासों से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में विश्वास रखते हैं। ये लोग अनुशासित होते हैं और अपने कामों को समय पर पूरा करते हैं। इनकी यही मेहनत और अनुशासन उन्हें सफलता दिलाता है। इन लोगों के पास जब भी समय आता है, वे आसानी से धन अर्जित कर सकते हैं और अपनी इच्छाओं को पूरा कर सकते हैं।

खुले हाथ से खर्च करने की प्रवृत्ति

मूलांक 4 के लोग स्वभाव से बहुत बिंदास होते हैं और जीवन का आनंद लेने में विश्वास रखते हैं। ये लोग अपने पास के धन का खुले हाथ से उपयोग करते हैं। कंजूसी इनमें नहीं होती और इन्हें खर्च करना पसंद होता है। यही कारण है कि इन लोगों के पास अक्सर अपार संपत्ति होती है और वे सामाजिक रूप से सम्मानित होते हैं।

मूलांक 4 के लोग होते हैं अच्छे इन्फ्लुएंसर

मूलांक 4 के लोग समाज में अपनी छाप छोड़ने में सक्षम होते हैं। खासतौर पर महिलाओं में यह गुण अधिक होते हैं। ये लोग अच्छे सोशलाइट और इन्फ्लुएंसर होते हैं, जो समाज में अपना प्रभाव छोड़ते हैं और अपने कार्यों से दूसरों को प्रेरित करते हैं। जिन लोगों का जन्म 4, 13, 22, या 31 तारीख को हुआ है, वे अपनी मेहनत, चतुराई, और आत्मविश्वास के बल पर जब चाहें, तब सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इनके पास अपार धन अर्जित करने की शक्ति भी होती है। यदि आप भी इस तारीख में जन्मे हैं, तो ये गुण आपको अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

दोधारी तलवार है सोशल मीडिया, रिश्तों को बनाने और बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ता

हो सकता है कि आप हर सेकंड खुद को सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते हुए पाएं। इसमें कोई शक नहीं है कि कोविड लॉकडाउन के बाद, सोशल मीडिया हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। लेकिन क्या हमें वाकई सोशल मीडिया को अपनी ज़िंदगी में उतनी जगह देनी चाहिए जितनी हम अभी देते हैं? कई मायनों में, सोशल मीडिया उपयोगी है। यह हमें दोस्तों और परिवार के साथ जुड़े रहने में मदद करता है, मनोरंजन प्रदान करता है और हमें ताज़ा खबरों से अपडेट रखता है। हालाँकि, जैसा कि कहा जाता है, शकिसी भी चीज़ की अति बुरी होती हैश, एक बार जब हम स्क्रॉल करना शुरू कर देते हैं, तो अक्सर सीमाएं तय करना भूल जाते हैं। हम अपने फ़ोन की स्क्रीन को घूरते हुए घंटों बिता देते हैं और हमें समय का पता ही नहीं चलता है। इससे भी ज़्यादा चिंता की बात यह है कि सोशल मीडिया हमारे रिश्तों को प्रभावित कर रहा है। हम अक्सर अपने आस–पास के लोगों की तुलना में अपने फ़ोन पर ज़्यादा ध्यान देते हैं। यहां तक कि हम जब अपने करीबियों या दोस्तों के साथ होते हैं, तब भी विचलित रहते हैं, लगातार अपडेट या नोटिफ़िकेशन चेक करते रहते हैं। करीबियों और दोस्तों से अच्छी बातचीत करने और पल का आनंद लेने के बजाय, हम ऑनलाइन दुनिया में खोए रहते हैं। इस वजह से रिश्तों की गुणवत्ता खराब हो रही है। जब कोई व्यक्ति साथ में समय बिताने की बजाय सोशल मीडिया पर ज़्यादा ध्यान देता है, तो पार्टनर खुद को उपेक्षित महसूस करते हैं। कल्पना करें कि आप किसी के साथ शारीरिक रूप से हैं, लेकिन पूरी तरह से अकेला महसूस कर रहे हैं क्योंकि उनका दिमाग कहीं और है, स्क्रीन से चिपका हुआ है। हमें खुद से पूछना चाहिएरू क्या सोशल मीडिया वाकई उन लोगों के साथ हमारे वास्तविक संबंधों से ज़्यादा महत्वपूर्ण है जिनकी हम परवाह करते हैं?

रिश्तों पर सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव

जुड़े रहनाः सोशल मीडिया लोगों को दूर रहने पर भी संपर्क में रहने में मदद करता है। इससे लंबी दूरी के रिश्तों को संभालना आसान हो गया है। कपल सोशल मीडिया की मदद से एक–दूसरे को अपडेट साझा कर सकते हैं, वीडियो कॉल कर सकते हैं और तुरंत संदेश भेज सकते हैं।

खास पलों को साझा करनाः लोग अपने खास पलों, जैसे जन्मदिन, सालगिरह या व्यक्तिगत उपलब्धियों को दोस्तों और परिवार के साथ साझा कर सकते हैं। इससे पार्टनर एक–दूसरे की रोज़मर्रा की ज़िंदगी में शामिल महसूस कर सकते हैं।

प्यार और स्नेह व्यक्त करनाः सोशल मीडिया सार्वजनिक रूप से प्यार और प्रशंसा दिखाने का एक स्थान हो सकता है, जैसे साथी के जन्मदिन या सालगिरह पर दिल से संदेश पोस्ट करना या कुछ और। इस तरह के छोटे–छोटे इशारे लोगों को खास और मूल्यवान महसूस करा सकते हैं।

संक्षिप्त

अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट की मुश्किलें तेज, एफटीसी ने अविश्वास की शुरू की जांच

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी व्यापार आयोग (एफटीसी) ने माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ बड़ी जांच शुरू की है। इसके दायरे में सॉफ्टवेयर लाइसेंसिंग और क्लाउड कंप्यूटिंग कारोबार के तरीके हैं। जांच को एफटीसी की चेयरपर्सन लीना खान ने मंजूरी दी, जो जनवरी में पद से हट सकती हैं। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद जांच को लेकर अनिश्चितता है, क्योंकि ट्रंप एक व्यापार के लिए नरम रुख रखने वाले को नियुक्त कर सकते हैं। उनके पूर्व कार्यकाल में कंपनी को काफी फायदा भी हुआ। एफटीसी जांच रही है कि माइक्रोसॉफ्ट अपने सॉफ्टवेयर बाजार की ताकत का दुरुपयोग कर रहा है या नहीं। आरोप है कि कंपनी क्लाउड प्लेटफॉर्म एज्योर से ग्राहकों का डाटा अन्य प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित करना मुश्किल बना रही है। इसके अलावा साइबर सुरक्षा और एआई उत्पादों से जुड़े माइक्रोसॉफ्ट के तौर–तरीके भी एफटीसी जांच के दायरे में है। इस मामले में प्रतिद्वंद्वियों का आरोप है कि कंपनी अपने लाइसेंसिंग नियमों से ग्राहकों को एज्योर के साथ बने रहने के लिए मजबूर करती है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, एफटीसी ने कंपनी से कई जानकारियां मांगी हैं। इसमें उसका एआई स्टार्टअप इंफ्लेक्शन एआई के साथ 65 करोड़ डॉलर का सौदा भी शामिल है। जांच एजेंसी पहले से ही माइक्रोसॉफ्ट और ओपन एआई की जांच कर रही है कि क्या वे एआई प्रतिस्पर्धा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। एंटीट्रस्ट पर कानूनी सेवा देने वाली फर्म डॉयल बार्लो एंड मजार्ड के वकील एंड्रे बार्लो के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने एंटीट्रस्ट कानूनों को सख्ती से लागू किया। उन्होंने बताया कि इसने गूगल और फेसबुक जैसी कंपनियों के खिलाफ मुकदमे दायर किए। उनका कहना है कि प्रशासन बदलने से चल रही जांचें हमेशा खत्म नहीं होतीं, प्राथमिकताएं जरूर बदल सकती हैं।

जोमैटो ने पात्र संस्थागत नियोजन के जरिए 8,500 करोड़ रुपये जुटाए

ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाना पहुंचाने की सेवा देने वाली कंपनी जोमैटो ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपने वृद्धि उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पात्र संस्थागत निवेशकों को इक्विटी शेयर बेचकर 8,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने इससे पहले बताया था कि पूंजी जुटाने की प्रस्तावित योजना का मकसद कंपनी के बहीखाते को मजबूत करना है। कंपनी का पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) निर्गम 25 नवंबर को खुला था और बृहस्पतिवार को बंद हुआ। जोमैटो ने शेयर बाजार को बताया कि उसके बोर्ड की पूंजी जुटाने वाली समिति ने पात्र संस्थागत खरीदारों को 252.62 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 33.65 करोड़ शेयर आवंटित करने को मंजूरी दी है। ये शेयर निवेशकों को निचले मूल्य से पांच प्रतिशत छूट के साथ जारी किये। इस तरह कुल 8,500 करोड़ रुपये जुटाये गए।

चीन में मिला दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार, कीमत जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य चीन में संभावित रूप से दुनिया का सबसे बड़ा सोने का नया भंडार मिला है। अनुमान है कि वहां लगभग 1,000 मीट्रिक टन उच्च गुणवत्ता वाले स्वर्ण अयस्क मौजूद है। चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार नए स्वर्ण भंडार मूल्य लगभग 83 अरब डॉलर है, जो सम्भवतः अब तक का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार है। रिपोर्ट के अनुसार चीन में पाया गया स्वर्ण भंडार यह दक्षिण अफ्रीका के साउथ डीप खदान से भी बड़ा है, जो लगभग 900 मीट्रिक टन सोने का भंडार है। चीन के हुनान प्रांत के भूवैज्ञानिक ब्यूरो ने घोषणा की कि यह भंडार पिंगजियांग काउंटी में स्थित है, जहां भूवैज्ञानिकों

ने 2 किलोमीटर की गहराई पर 40 सोने की शिराओं की पहचान की है। सोने के भंडार विभिन्न भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से बनते हैं, जिसमें अक्सर लाखों वर्षों का समय लगता हैद्ध गर्म, खनिज युक्त तरल पदार्थ पृथ्वी की पपड़ी में दरारों और दरारों के माध्यम से घूमते हैं। ये तरल पदार्थ आसपास की चट्टानों से सोने को घोलते हैं और परिस्थितियों में बदलाव जैसे तापमान में गिरावट या दबाव में बदलाव होने पर इसे जमा करते हैं। शुरुआती आकलन से पता चलता है कि मध्य चीन में पाए गए मौजूद भंडार की शिराओं में ही लगभग 300 मीट्रिक टन सोना हो सकता है। उन्नत 3क मॉडलिंग से पता चलता है कि अतिरिक्त भंडार और भी अधिक गहराई पर मौजूद हो सकते हैं। इनकी गहराई संभवतः 3 किलोमीटर तक हो सकती है। ब्यूरो के एक खोजकर्ता चेन रुलिन ने बताया कि कई ड्रिल किए गए हैं। चट्टानों के कोर में स्पष्ट रूप से सोना पाया गया है। नमूनों से पता चला है कि प्रत्येक मीट्रिक टन अयस्क से 138 ग्राम तक सोना मिल सकता है। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि भूमिगत खदानों से प्राप्त अयस्क को आमतौर पर उच्च श्रेणी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, ये ऐसे नमूने होते हैं, जिनमें 8 ग्राम से अधिक धातु अयस्क होता है। इस खोज से चीन के सोने के कारोबार पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, जो पहले से ही वैश्विक स्वर्ण उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चीन दुनिया के कुल सोने के उत्पादन में लगभग 10ः का योगदान देता है। चीन पहले से ही दुनिया के स्वर्ण बाजार पर हावी है, जिसके भंडार को 2024 की शुरुआत में 2,000 टन से अधिक माना गया है। चीन में स्वर्ण भंडार मिलने की घोषणा से सोने की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। ऐसा आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच बहुमूल्य धातु की वैश्विक मांग में वृद्धि के कारण है।

गुलाबी गेंद से अभ्यास मैच में बल्लेबाजी संयोजन तय करना चाहेगी भारतीय टीम

भारत ने वापसी करके चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला जीती थी। गुलाबी गेंद सूर्यास्त के समय खेलना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। चूंकि अभ्यास मैच को प्रथम श्रेणी मैच का दर्जा नहीं है लिहाजा भारत के अधिकांश बल्लेबाज अभ्यास करना चाहेंगे। पर्थ टेस्ट 295 रन से जीतने के बाद भारतीय टीम का मनोबल ऊंचा है।

ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ शनिवार से मानुका ओवल पर शुरू हो रहे दो दिवसीय अभ्यास मैच में भारतीय टीम एडीलेड में दिन रात के टेस्ट से पहले अपना बल्लेबाजी संयोजन तय करने के इरादे से उतरेगी। भारत ने अब तक दिन रात के चार टेस्ट खेले हैं और एकमात्र पराजय चार साल पहले एडीलेड में मिली जब टीम 36 रन पर आउट हो गई थी। इसके बाद हालांकि भारत ने वापसी करके चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला जीती थी। गुलाबी गेंद सूर्यास्त के समय खेलना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। चूंकि अभ्यास मैच को प्रथम श्रेणी मैच का दर्जा नहीं है लिहाजा भारत के अधिकांश बल्लेबाज अभ्यास करना चाहेंगे। पर्थ टेस्ट 295 रन से जीतने के बाद भारतीय टीम का मनोबल ऊंचा है। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट से बाहर रहे कप्तान रोहित शर्मा और अंगूठे के फ्रेक्चर से उबरे शुभमन गिल टीम में लौटे हैं जिससे छह दिसंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिये बल्लेबाजी क्रम में बदलाव हो सकता है। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल सलामी बल्लेबाज हैं लेकिन पर्थ टेस्ट में जायसवाल और केएल राहुल ने अच्छा प्रदर्शन किया। ऐसे में रोहित बल्लेबाजी क्रम में नीचे भी उतर सकते हैं। ऐसा होने पर गिल का क्रम भी बदलेगा। भारत को अभ्यास मैच में ही ये प्रयोग करने होंगे। यह दो दिवसीय मैच ही है जिसमें गेंदबाजों की बजाय बल्लेबाजों को अधिक अभ्यास की जरूरत है। सरफराज खान जैसे बल्लेबाज भी हाथ आजमाना चाहेंगे हालांकि किसी के चोटिल होने की दशा में ही उन्हें मौका मिल सकता है। गिल ने नेट्स पर टीम के साथ अभ्यास किया। भारतीय टीम इस दौरे पर अभ्यास मैच नहीं खेल रही है क्योंकि अमूमन वे प्रतिस्पर्धी नहीं होते। प्रधानमंत्री एकादश टीम की कमान जैक एडवडर्स के हाथ में है। टीम में आस्ट्रेलिया के अंडर 19 स्टार चार्ली एंडरसन, माहली बीयर्डमेन, एडेन ओकोनोर और सैम कोंस्टास भी हैं। लाइव खेल ऑनलाइन देखें

टीमें–

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, यशस्वी जायसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर।

प्रधानमंत्री एकादशः जैक एडवडर्स (कप्तान), चार्ली एंडरसन, माहली बीयर्डमैन, स्कॉट बोलैंड, जैक क्लेटन, एडेन ओकोनोर, ओली डेविस, जेडेन गुडविन, सैम हार्पर, हान्नो जैकब्स, सैम कोंस्टास, लॉयड पोप, मैथ्यू रेनशॉ, जेम रियान।

रोहित शर्मा की वापसी के बाद किस नंबर पर खेलेंगे केएल राहुल, सुनील गावस्कर ने दिया ये जवाब

6 दिसंबर से भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच एडिलेड में खेलेगी। इस टेस्ट मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की वापसी होने वाली है। इस कारण टीम की प्लेइंग इलेवन और बल्लेबाजी क्रम में बदलाव तय है। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बताया कि रोहित के आने के बाद केएल राहुल को किस नंबर पर खेलना चाहिए। रोहित शर्मा अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट का हिस्सा नहीं थे। वहीं शुभमन गिल वॉर्म अप मैच के दौरान अपने अंगूठे में चोट लगवा बैठे थे। इसी कारण वह भी पहला मैच नहीं खेले। हालांकि, अब दोनों की टीमें में वापसी होने वाली है। केएल राहुल ने पहली पारी में ओपनिंग की। उन्होंने 74 गेंदों में 26 रन बनाए वहीं दूसरी पारी में उनके बल्ले से 77 रन आए। रोहित शर्मा की वापसी के साथ ही राहुल का ओपनर की जगह से हटना तय है। वहीं अगर गिल भी वापस आते हैं ।

तो तीसरे नंबर पर उन्हीं को मौका मिलेगा। सुनील गावस्कर ने कहा कि, मुझे ऐसा लगता है कि बैटिंग ऑर्डर में बदलाव होगा जहां रोहित शर्मा भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल की जगह लेंगे, शुभमन गिल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और ध्रुव जुरेल को टीम से बाहर होना होगा। ऐसे में केएल राहुल को छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। साथ ही सुनील गावस्कर ने आगे कहा कि, टीम में एक और बदलाव हो सकता है। वॉशिंगटन सुंदर की जगह रविंद्र जडेजा को टीम में मौका मिल सकता है। सुंदर ने दोनों पारियों में मिलाकर कुल पांच ही रन बनाए। वहीं उनके खाते में दो ही विकेट आए। ये दोनों विकेट उन्होंने दूसरी पारी में झटके।

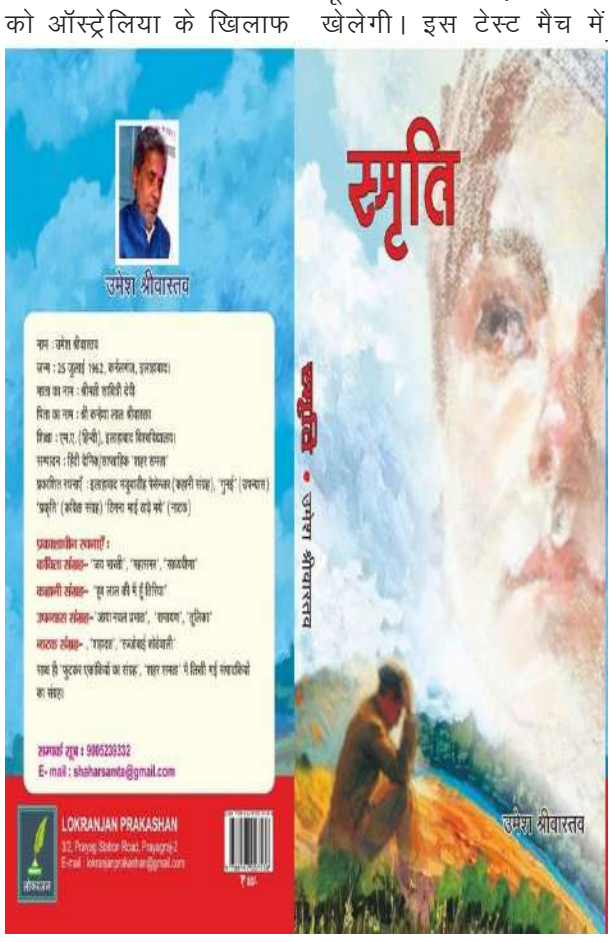

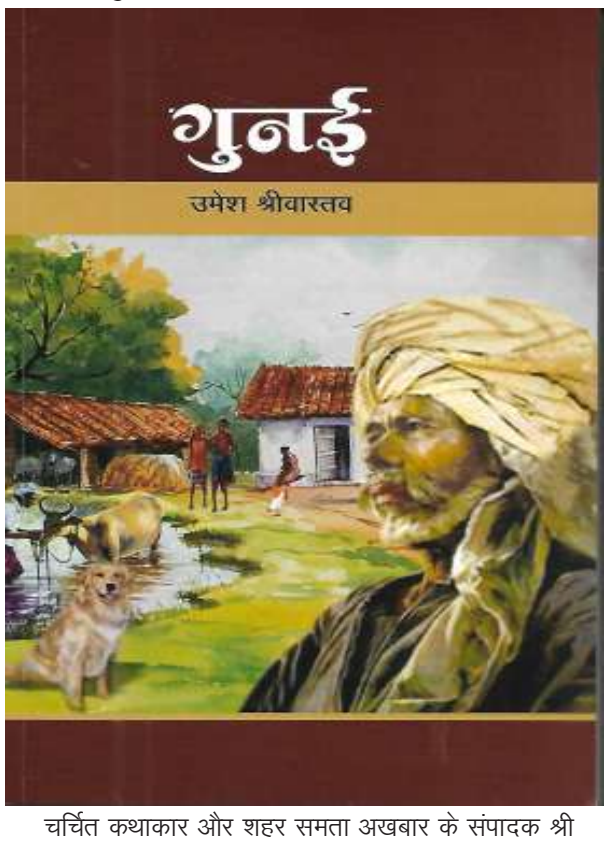

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

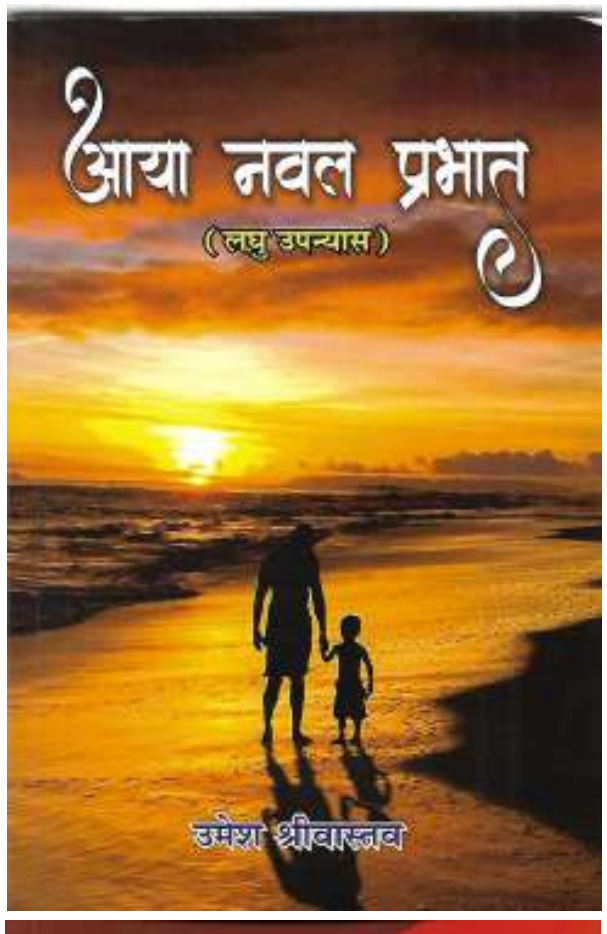

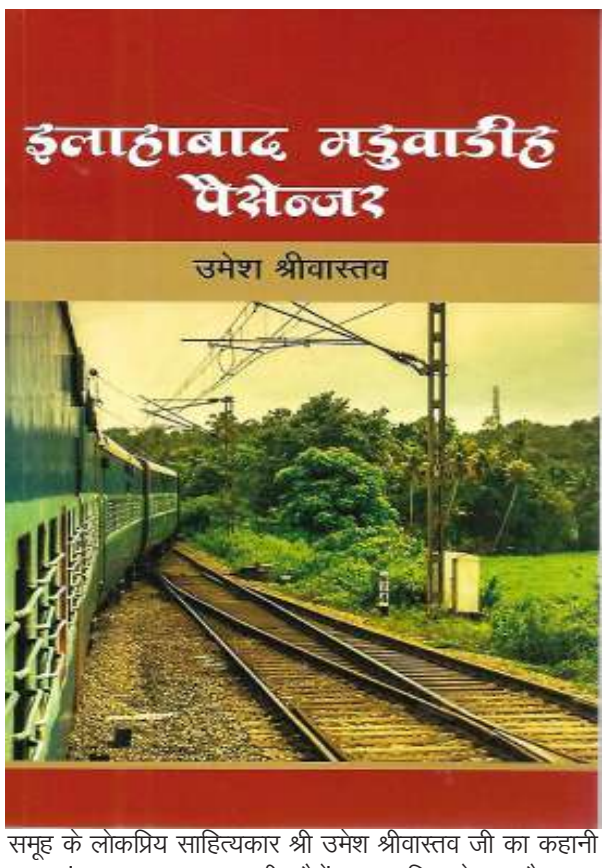

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

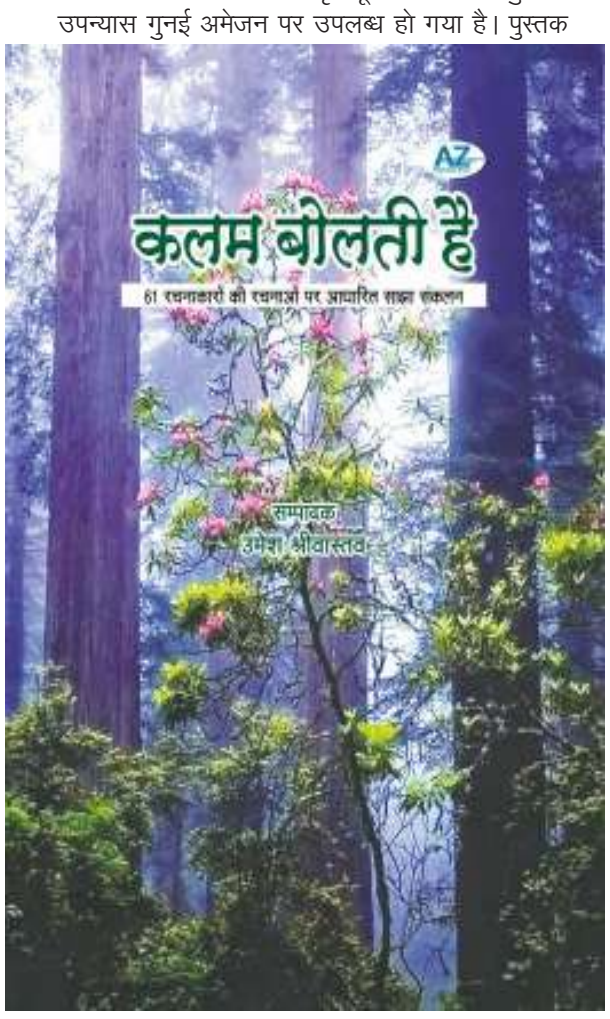

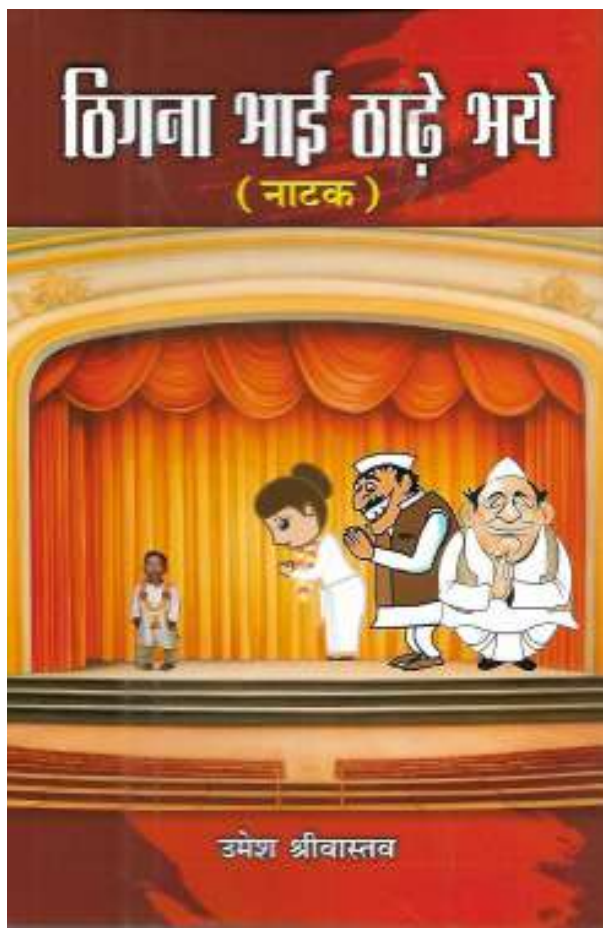

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

डोनाल्ड ट्रंप अब सुरक्षित नहीं, रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने किया नवनिर्वाचित प्रेसिडेंट ऑफ अमेरिका को आगाह

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक अनुभवी और बुद्धिमान राजनीतिज्ञ के रूप में प्रशंसा की, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि ट्रंप पर जानलेवा हमले के बाद वे सुरक्षित हैं। जुलाई में पेंसिल्वेनिया में एक हत्या के प्रयास में डोनाल्ड ट्रंप घायल हो गए थे। सितंबर में एक अलग घटना में, एक व्यक्ति पर ट्रंप के फ्लोरिडा गोल्फ कोर्स में से एक में कथित तौर पर राइफल के साथ खुद को तैनात करने के बाद हत्या के प्रयास का आरोप लगाया गया था। शिखर सम्मेलन के बाद कजाकिस्तान में पत्रकारों से बात करते हुए पुतिन ने कहा कि अमेरिकी चुनाव अभियान जिस तरह से आगे बढ़ा, उससे वे स्तब्ध हैं। उन्होंने ट्रंप के खिलाफ लड़ाई में इस्तेमाल किए गए बिल्कुल असभ्य तरीकों का हवाला दिया, जिसमें हत्या का प्रयास भी शामिल है – और एक से अधिक बार। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार (28 नवंबर) को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक अनुभवी और बुद्धिमान राजनीतिज्ञ के रूप में प्रशंसा की, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ट्रंप उन पर किए गए हमलों के बाद सुरक्षित हैं। जुलाई में पेंसिल्वेनिया में एक हत्या के प्रयास में ट्रंप घायल हो गए थे। सितंबर में एक अलग घटना में, एक व्यक्ति पर ट्रंप के फ्लोरिडा गोल्फ कोर्स में कथित तौर पर राइफल के साथ खुद को तैनात करने के बाद हत्या के प्रयास का आरोप लगाया गया था। एक शिखर सम्मेलन के बाद कजाकिस्तान में मीडिया से बात करते हुए, पुतिन ने कहा कि जिस तरह से अमेरिकी चुनाव अभियान सामने आया है, उससे वे स्तब्ध हैं। उन्होंने ट्रंप के खिलाफ लड़ाई के लिए इस्तेमाल किए गए बिल्कुल असभ्य तरीकों का हवाला दिया, जिसमें हत्या का प्रयास भी शामिल है– और एक से अधिक बार। पुतिन ने कहा वैसे, मेरी राय में, वह अब सुरक्षित नहीं हैं। दुर्भाग्य से, संयुक्त राज्य अमेरिका के इतिहास में कई घटनाएं हुई हैं। मुझे लगता है कि वह (ट्रंप) बुद्धिमान हैं और मुझे उम्मीद है कि वह सतर्क रहेंगे और इसे समझेंगे।ष उन्होंने इस तरह के व्यवहार को घृणित बताया और कहा कि रूस में डाकू भी इस तरह के तरीकों का सहारा नहीं लेते। यूक्रेन में युद्ध को बढ़ाने के लिए बिडेन प्रशासन के फैसले के बारे में बात करते हुए, कीव को पश्चिमी मिसाइलों से रूस पर हमला करने की अनुमति देते हुए, पुतिन ने अनुमान लगाया कि यह ट्रम्प को वापस लेने के लिए कुछ देकर उनकी मदद करने की एक चाल हो सकती है या रूस के साथ उनके जीवन को और अधिक कठिन बनाने का एक तरीका हो सकता है। किसी भी तरह से, पुतिन ने कहा कि उन्हें लगता है कि ट्रम्प ''समाधान ढूंढ लेंगे'' और कहा कि मास्को बातचीत के लिए तैयार है।

पाकिस्तान की सेना ने खैबर पख्तूनख्वा में चार आतंकवादियों को मार गिराया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर–पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार को एक अभियान के दौरान चार आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा ने यह जानकारी दी। अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर जिले के बाग इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान चलाया गया। इस अभियान में आतंकी नेता 'बटूर' समेत चार लोगों की मौत हो गई और तीन आतंकवादी घायल हो गए।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर पूरी दुनिया चुप क्यों है?, यूएससीआईआरएफ के पूर्व प्रमुख की धमकी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर भारत में भारी गुस्सा है। हैरानी की बात ये है कि अमेरिका जो पूरी दुनिया में मानवाधिकारों का झंडाबरदार बनता है, उसकी तरफ से अभी तक बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। खुद अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता के शीर्ष संगठन के पूर्व प्रमुख ने इसे लेकर अपनी ही सरकार से नाराजगी जाहिर की है। साथ ही उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में आ रहे हैं और उनके आने से हालात जरूर बदलेंगे। अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता के शीर्ष संगठन (USCIRF) के पूर्व आयुक्त जॉनी मूरे ने बांग्लादेश में हिंदुओं के हालात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि श्मैं इस बात से हैरान हूं कि मौजूदा बाइडन सरकार बांग्लादेश के हालात पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रही है। लेकिन कुछ ही हफ्तों में सरकार बदल जाएगी और डोनाल्ड ट्रंप सत्ता पर काबिज हो जाएंगे। मुझे विश्वास है कि ट्रंप और उनकी टीम जो अमेरिकी मूल्यों की पक्षधर है और भारत को वे अपना मजबूत सहयोगी मानते हैं, उनके आने से हालात बदलेंगे। मूरे ने कहा कि श्दुनिया में ऐसी कोई चुनौती नहीं है, जिसे भारत और अमेरिकी संस्कृति के विशेषज्ञ हल न कर सकें। मूरे ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता, ट्रंप सरकार की प्राथमिकता होगी। मूरे ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार को लेकर दुनिया, खासकर पश्चिमी देशों की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार संगठन और धार्मिक संगठन हर दूसरे मुद्दे पर आवाज उठाते हैं, लेकिन जब हिंदू समुदाय पर अत्याचार होता है तो दुर्भाग्य से बहुत कम लोग इसके बारे में बोलते हैं। हम इसे बदलेंगे और पूरी दुनिया को इस मुद्दे पर ध्यान दिलाने की कोशिश करेंगे। यूएससीआरआईएफ के पूर्व आयुक्त मूरे ने बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार की भी आलोचना की और कहा कि जब मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने तो उन्होंने लोकतंत्र को लेकर बड़े–बड़े दावे किए थे, कानून के शासन और मूल्यों की बात की थी, लेकिन अब न सिर्फ बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों बल्कि पूरे देश के अस्तित्व को खतरा है। उन्होंने यूनुस सरकार पर बुरी तरह असफल रहने का आरोप लगाया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

सीरिया में नहीं थम रहा संघर्ष, अलेप्पो में 200 से अधिक की मौत, विद्रोहियों ने प्रमुख राजमार्ग को काटा

सिडनी,एजेंसी। अलेप्पो के बाहरी इलाके पर कब्जे को लेकर सीरियाई सरकार और विद्रोहियों के बीच संघर्ष तेज हो गया है। रूसी लड़ाकू विमान सीरियाई सेना के साथ मिलकर विद्रोहियों के कब्जे वाले अलेप्पो के पूर्वी इलाके में लगातार हवाई हमले कर रहे हैं। इस बीच, जिहादी लड़ाकों ने गुरुवार को दमिश्क से अलेप्पो तक जाने वाले राजमार्ग को काट दिया। इस आक्रामक अभियान के दौरान करीब 200 लोग मारे गए हैं। एक निगरानीकर्ता का कहना है कि जिन लोगों की जान गई है उनमें रूसी वायु सेना के हमलों में मारे गए नागरिक भी शामिल हैं।

जिहादियों ने अचानक किया हमला

सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि एक दिन पहले, जिहादी समूह हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) और उसके सहयोगी गुटों ने उत्तरी अलेप्पो प्रांत के सरकारी नियंत्रण वाले क्षेत्रों पर अचानक हमला कर दिया। इससे तनाव के बीच सबसे भीषण लड़ाई शुरू हो गई।

अब तक 182 की मौत

निगरानीकर्ता ने कहा कि चल रही लड़ाई में मरने वालों की संख्या बढ़कर 182 हो गई है, जिसमें एचटीएस के 102 लड़ाके, सहयोगी गुटों के 19 और 61 शासन बलों और संबद्ध समूहों के लड़ाके शामिल हैं।

रूसी हमले में इतने लोगों की गई जान

निगरानी संस्था के प्रमुख रामी अब्देल रहमान ने कहा, अलेप्पो के ग्रामीण इलाकों में गुरुवार को रूसी हवाई हमलों में 19 नागरिक मारे गए। उन्होंने कहा कि एक दिन पहले सीरियाई सेना की गोलाबारी में एक अन्य नागरिक की मौत हो गई थी।

सीरियाई राष्ट्रपति का करीबी सहयोगी है रूस

रूस सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल–असद का करीबी सहयोगी है और उसने 2015 में पहली बार सीरिया के गृहयुद्ध में हस्तक्षेप किया था, जिससे संघर्ष का रुख राष्ट्रपति के पक्ष में हो गया, जिनकी सेनाएं कभी देश के केवल पांचवें हिस्से पर नियंत्रण रखती थीं।

इन मार्गों को किया प्रभावित

ब्रिटेन स्थित निगरानी संस्था ने कहा कि एचटीएस और उसके सहयोगी गुटों, जिनमें पड़ोसी तुर्की द्वारा समर्थित समूह भी शामिल हैं, ने दमिश्क–अलेप्पो अंतरराष्ट्रीय एम5 राजमार्ग को काट दिया। इसके अलावा एम4 और एम5 राजमार्गों के बीच जंक्शन को भी नियंत्रित कर लिया है। सीरिया के अंदर सूत्रों का नेटवर्क रखने वाली निगरानी संस्था ने कहा, वर्षों पहले शासन बलों द्वारा फिर से खोले जाने के बाद राजमार्ग को अब सेवा से बाहर कर दिया गया है। एम5 और एम4 राजमार्गों का जंक्शन राजधानी और शासन के तटीय गढ़ लताकिया को क्रमशः दूसरे शहर अलेप्पो से जोड़ता है।

14 हजाप से अधिक लोग हुए विस्थापित

मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने कहा कि हिंसा के कारण 14,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं जिनमें से लगभग आधे बच्चे हैं। सीरिया एक दशक से अधिक समय से गृह युद्ध की चपेट में है, हालांकि हाल के वर्षों में संघर्ष की तीव्रता में कमी आई है।

इस्कॉन से जुड़े लोगों पर बांग्लादेश के वित्तीय अधिकारियों की कार्रवाई, 17 बैंक खातों पर लगाई रोक

ढाका। बांग्लादेश के वित्तीय अधिकारियों ने इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक खातों पर एक महीने के लिए रोक लगा दी है। इसमें हिंदु समुदाय के प्रमुख चेहरे चिन्मय कृष्ण दास का खाता भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश की वित्तीय खुफिया इकाई (बीएफआईयू) ने गुरुवार को विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को यह आदेश जारी किया था कि वे अगले 30 दिनों तक इन खातों से लेन–देन को रोक दें।

तीन दिनों के भीतर देना होगा व्यावसायिक खातों का विवरण

इसके अलावा, बीएफआईयू ने इन सत्रह व्यक्तियों से कहा है कि वे अपने सभी व्यवसायों के बैंक खातों का ताजा और अपडेटेड विवरण तीन कामकाजी दिनों के भीतर संबंधित बैंकों को सौंपें। बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत संगठन के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास को सोमवार को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था और उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया। मंगलवार को चटगांव की एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार किया और जेल भेज दिया।

दास समर्थकों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प में एक वकील की मौत हुई। चिन्मय बांग्लादेश में पहले अंतरराष्ट्रीय कृष्ण चेतना सोसायटी (इस्कॉन) के प्रवक्ता रह चुके हैं।

भारत के विदेश मंत्रालय ने भी जताई थी चिंता

इससे पहले, बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा और चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर भारत सरकार ने भी चिंता जताई। विदेश मंत्रालय ने कहा था, हमने बांग्लादेश 'सम्मिलित सनातनी जोत' के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। यह घटना बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर कई हमलों के बाद हुई है। हम बांग्लादेश के अधिकारियों से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं, जिसमें शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उनका अधिकार भी शामिल है। वहीं, बांग्लादेश ने भारत के बयान को खारिज करते हुए कहा था, इस तरह के निराधार बयान न केवल तथ्यों को गलत तरीके से पेश करते हैं, बल्कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच दोस्ती और समझ की भावना के विपरीत भी हैं।

उत्तर कोरिया पहुंचे रूसी रक्षा मंत्री बेलौसोव, सेना और राजनीतिक नेताओं से करेंगे बातचीत

सियोल, एजेंसी। रूस और उत्तर कोरिया के बीच का प्रेम किसी से छिपा हुआ नहीं है। जहां यूक्रेन के खिलाफ मॉस्को की जंग के समर्थन में उत्तर कोरिया ने अपने सैनिक भेजे। वहीं बदले में पुतिन ने कोरियाई देश को हवाई रक्षा मिसाइलें दी हैं। इन सबके बीच, रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव शुक्रवार को उत्तर कोरिया पहुंचे। यहां वे सैन्य और राजनीतिक नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। मंत्रालय ने हालांकि यह नहीं बताया है कि

बेलौसोव किससे मिलेंगे या बातचीत का उद्देश्य क्या है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने इस यात्रा की तुरंत पुष्टि नहीं की। पूर्व अर्थशास्त्री बेलौसोव ने मई में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सत्ता में पांचवां कार्यकाल शुरू करने के बाद रक्षा मंत्री के रूप में सर्गेई शोइगू का स्थान लिया था। बेलौसोव की यह यात्रा दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल द्वारा रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव के नेतृत्व में यूक्रेन के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के कुछ दिनों बाद हुई है, जिसमें येओल ने दोनों देशों से उत्तर कोरिया द्वारा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में सहायता के लिए हजारों सैनिकों को रूस भेजने के जवाब में जवाबी कदम की तैयारी का आह्वान किया था।

10 हजार से अधिक सैनिक रूस भेजे

अमेरिका और उसके सहयोगियों का कहना है कि उत्तर कोरिया ने हाल के सप्ताहों में 10,000 से अधिक सैनिक रूस भेजे हैं और उनमें से कुछ सैनिक पहले ही युद्ध में शामिल हो चुके हैं। उत्तर कोरिया पर रूस को हथियार प्रणाली, मिसाइल और अन्य सैन्य उपकरणों की आपूर्ति करने का भी आरोप है, जो पुतिन को लगभग तीन साल से जारी युद्ध को और आगे बढ़ाने में मदद कर सकता है।

खतरे को बढ़ा सकता है

दक्षिण कोरिया में यह भी चिंता जताई गई कि उत्तर कोरिया अपने सैनिकों और हथियारों की आपूर्ति के बदले में रूस से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण हासिल कर सकता है, जो नेता किम जोंग उन के परमाणु हथियारों और मिसाइल कार्यक्रम द्वारा उत्पन्न खतरे को संभावित रूप से बढ़ा सकता है।

रूस ने हवाई रक्षा तंत्र को मजबूत बनाने में की मदद

राष्ट्रपति यूं सुक–योल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिन वोनसिक ने टीवी के एक कार्यक्रम में बताया था कि दक्षिण कोरिया ने पाया है कि रूस ने प्योंगयांग के हवाई रक्षा तंत्र को मजबूत बनाने के लिए मिसाइलें और अन्य उपकरण मुहैया कराए हैं। उत्तर कोरिया को इससे सैन्य क्षेत्र में व्यापक बढ़त हासिल होगी। उन्होंने यह नहीं बताया था कि रूस ने पहले ही संवेदनशील परमाणु हथियार और बैलिस्टिक मिसाइल प्रौद्योगिकियां उत्तर कोरिया को दे दी हैं या नहीं। बेलौसोव की यात्रा के बारे में रूसी मीडिया की रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब दक्षिण कोरिया ने अपने पूर्वी और दक्षिणी समुद्र के आसपास अस्थायी रूप से देश के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश करने वाले छह रूसी और पांच चीनी युद्धक विमानों को लड़ाकू विमानों को खदेड़ दिया। संयुक्त प्रमुखों ने कहा कि रूसी और चीनी विमानों ने दक्षिण कोरिया के क्षेत्रीय हवाई क्षेत्र का उल्लंघन नहीं किया।

DGP-IGP सम्मेलन को लेकर खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने दी घमकी, पुलिस हाई अलर्ट पर

भुवनेश्वर में ओडिशा डीजीपी सम्मेलन से एक दिन पहले, खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने गुरुवार को एक संदेश जारी कर अखिल भारतीय बैठक को बाधित करने की धमकी दी, जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के अलावा कई शीर्ष सुरक्षा अधिकारी शामिल होंगे। सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) संगठन के प्रमुख पन्नू ने एक वीडियो संदेश में अपने समर्थकों से डीजी–आईजी सम्मेलन को बाधित करने के लिए भुवनेश्वर के मंदिरों–होटलों में भेष बदलने और छिपने का आग्रह किया। गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत एक नामित आतंकवादी, पन्नून ने प्रधानमंत्री को भक्तों से मिलने के लिए भुवनेश्वर में राम मंदिर जाने की चुनौती दी और नक्सलियों, माओवादियों, कश्मीरी लड़ाकों से डीजी–आईजी सम्मेलन को बाधित करने के लिए भुवनेश्वर के मंदिरों, होटलों में भेष बदलने और छिपने का आग्रह किया। यह कहते हुए कि एनआईए, सीआरपीएफ, बीएसएफ, एनएसजी, आईबी और सीआईएसएफ के 200 से अधिक सुरक्षा अधिकारी शाह के नेतृत्व में मिलेंगे, पन्नून ने कहा कि बैठक में खालिस्तानी समर्थक सिखों, कश्मीरी लड़ाकों, नक्सलियों और माओवादियों की हत्या की योजना बनाई जाएगी और योजना बनाई जाएगी। शुक्रवार को शुरू होने वाली डीजीपी कॉन्फ्रेंस पहले से ही भारी सुरक्षा घेरे में है और भुवनेश्वर के कई इलाकों को नो–फ्लाइंग और नो–ड्रोन जोन घोषित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार शाम करीब 4.15 बजे भुवनेश्वर पहुंचेंगे। बैठक के लिए भाजपा कार्यालय जाने से पहले बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका अभिनंदन किया जाएगा।

शांति स्थापना आयोग में भारत के छह हजार सैनिक, दुनिया के सबसे बड़ा सैन्य सहयोगकर्ता देशों में से एक

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत को संयुक्त राष्ट्र के शांति स्थापना मिशन में फिर से निर्वाचित किया गया है। भारत का यह निर्वाचन 2025–26 की समयावधि के लिए हुआ है। दरअसल भारत का मौजूदा कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। भारत के निर्वाचन पर संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि एक संस्थापक सदस्य और यूएन शांति स्थापना मिशन में प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में, भारत वैश्विक शांति और स्थिरता की दिशा में काम करने के लिए शांति स्थापना मिशन के साथ अपने जुड़ाव को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि शांति स्थापना आयोग एक अंतर–सरकारी सलाहकार निकाय है, जो संघर्ष प्रभावित देशों में शांति प्रयासों का समर्थन करता है। शांति स्थापना आयोग में 31 सदस्य देश हैं, जिनमें संयुक्त राष्ट्र महासभा, सुरक्षा परिषद और आर्थिक और सामाजिक परिषद के सदस्य देश शामिल हैं। शीर्ष वित्तीय योगदानकर्ता देश और शीर्ष सैन्य योगदानकर्ता देश भी इसके सदस्य हो सकते हैं। शांति स्थापना आयोग संसाधनों को संगठित करने और सभी हितधारकों को साथ लाने में अहम भूमिका निभाता है ताकि संघर्ष को समाप्त कराया जा सके। साथ ही संघर्ष के बाद पुनर्निर्माण, संस्था निर्माण के काम भी सहयोग करता है।

भारत शांति मिशन में सबसे बड़ा सैन्य योगदानकर्ता

भारत संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में सबसे बड़ा सैन्य योगदानकर्ता है। वर्तमान में भारत के छह हजार के करीब सैनिक संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत दुनिया के विभिन्न देशों में तैनात हैं, जिनमें अबेई, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, साइप्रस, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, लेबनान, मध्य पूर्व, सोमालिया, दक्षिण सूडान और पश्चिमी सहारा आदि शामिल हैं। अब तक करीब 180 भारतीय शांति सैनिकों ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया है। यह किसी भी सदस्य देश के सैनिकों में सबसे ज्यादा है।

यूक्रेन पर रूस के हमले से तिलमिलाए बाइडन, बोले– कीव की तुरंत मदद करने की जरूरत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में अब कुछ ही दिन का समय बचा है और यही वजह है कि वे यूक्रेन को लेकर परेशान हैं। खासकर रूस ने यूक्रेन पर जो ताबड़तोड़ हमले किए हैं, उसके बाद तो बाइडन तिलमिला गए हैं। जो बाइडन ने गुरुवार को कहा कि रूस के यूक्रेन पर ताजा हमले बताते हैं कि हमें यूक्रेन की तुरंत मदद करने की जरूरत है। दरअसल जो बाइडन को चिंता है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को मदद देनी बंद कर दी, तो इससे यूक्रेन कमजोर पड़ जाएगा। बाइडन की चिंता जायज भी है क्योंकि ट्रंप ने ऐसे संकेत दिए भी हैं कि वे यूक्रेन को दी जाने वाली मदद की समीक्षा करेंगे। रूस ने यूक्रेन पर किया बड़ा हमला रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर बड़ा हमला करते हुए करीब 200 मिसाइलें दागीं। रूसी हमले में यूक्रेन के पावर ग्रिड को भारी नुकसान हुआ है, जिसकी वजह से लाखों लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। गुरुवार को बाइडन ने कहा कि श्इस दिन मेरा यूक्रेन के लोगों को संदेश साफ है, अमेरिका आपके साथ खड़ा है।श गौरतलब है कि फरवरी 2022 के बाद से अब तक अमेरिका रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को 60 अरब डॉलर से ज्यादा की आर्थिक मदद दे चुका है। ट्रंप रोक सकते हैं यूक्रेन की मदद वहीं जनवरी में अमेरिका के नए राष्ट्रपति बनने जा रहे ट्रंप ने रूस यूक्रेन युद्ध खत्म करने का वादा किया है। यूक्रेन को भी डर है कि ट्रंप उसकी वित्तीय मदद रोक सकते हैं ।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।